website : - www.loktantramirror.live

लोकतंत्र मिरर

पृष्ठ : 8 RNI Reg. No. MAHHIN/2017/74134 वर्ष : 7 अंक : 15 अप्रैल 2023 मूल्य : 10

माफिया अतीक और अशरफ का अंत

शार्प शूटरों की तरह बरसाई गोलियां, फिदायीन की तरह दिया वारदात को अंजाम

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की कॉल्विन हॉस्पिटल में एक के बाद एक गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटनास्थल पर भारी संख्या में पुलिस तैनाती कर दी गई है।

प्रयागराज के कॉल्विन अस्पताल के बाहर माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या की साजिश बदमाशों ने पहले से ही तैयार कर ली थी। उन्हें पता था कि अतीक और अशरफ को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल लाया जाना है, इसलिए वे मीडियाकमी के रूप में वहां खडे.थे।

खास बात यह है कि पुलिस को हत्या की साजिश रचे जाने की भनक तक नहीं लगी। हमलावरों ने अतीक व अशरफ के साथ में रहे पुलिसकर्मियों को संभलने तक का मौका नहीं दिया और वारदात को अंजाम दे डाला।

मीडियाकर्मियों से इतना बोलते ही अतीक के पीछे साए की तरह आए शूटर ने प्वाइंट ब्लैंक दूरी से उसके सिर में पिस्टल से गोली उतार दी। गोली चलने की आवाज सुनते ही अतीक से एक कदम आगे चल रहे अशरफ ने पीछे मुड़कर देखा तो उसके होश उड.गए। तब तक दो और शूटर नजदीक आकर अशरफ पर सामने से गोलियां बरसाने लगे।

अतीक के साथ हथकडी बंधी होने की वजह से उसे बचने का कोई मौका नसीब नहीं हुआ। हैरानी की बात है कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान अतीक और अशरफ की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले पुलिसकमी खुद को बचाते रहे। शूटरों की हिम्मत देखकर वे कांप गए। इतना ही नहीं, उन्होंने पलट कर शूटरों पर एक गोली तक नहीं चलाई।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जिस तरीके से अतीक और अशरफ की हत्या हुई, उसे साफ पता चलता है फिदायीन अंदाज में घटना को अंजाम देने आए शूटरों को अपने लक्ष्य और अंजाम के बारे में भलीभांति पता था। तीनों ने भागने का कोई भी प्रयास नहीं किया और बेहद आसानी से खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। तीनों गोलियां बरसाते हुए चार-छह कदम पीछे हटते गए।

जैसे ही उनको अतीक और अशरफ के ढेर होने का आभास हुआ, उन्होंने सरेंडर-सरेंडर... और नारे लगाते हुए अपने हाथ ऊपर कर लिए। पुलिस ने भी तीनों शूटरों को जवाबी फायरिंग कर मौके पर ढेर करने की कोशिश तक नहीं की। इस वारदात की आगे होने वाली जांच में अतीक और अशरफ की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को इसका जवाब देना होगा।

माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ का अंत फिल्मी अंदाज में होगा ऐसा किसने सोचा नही होगा।

सांसद, चार बार विधायक रहे माफिया अतीक पर ४४ साल पहले पहला मुकदमा दर्ज हुआ था। तब से अब तक उसके ऊपर सौ से अधिक मामले दर्ज हुए, लेकिन पहली बार उमेश पाल अपहरण कांड में उसे दोषी ठहराया गया।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद अतीक अहमद के सबसे बुरे दिनों की शुरुआत हो गई थी। अतीक ने काइम के दम पर अपनी पहचान बनाई। फिर उसी पहचान के बलबूते राजनीति में एंट्री ली। २८ साल की उम्र में विधायक बना तो ताकत दोगुनी हो गई। जो भी सामने आया वो मारा गया। हर हाई प्रोफाइल हत्याकांड में नाम अतीक का आया।

एक के बाद एक १०० से ज्यादा मुकदमे दर्ज हुए, लेकिन कभी किसी केस में सजा नहीं हुई। ४४ साल बाद २८ मार्च २०२३ को अतीक को उमेश पाल अपहरण कांड में पहली बार सजा सुनाई गई। अतीक के साथ मारा गया अशरफ भी अपने भाई के हमेशा साथ रहा। हर बडे. मुकदमे में अतीक के साथ अशरफ नामजद था।

उमेश पाल अपहरण मामले में हुई थी उम्रकैद

२५ जनवरी, २००५ को इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा सीट से नवनिर्वाचित विधायक राजू पाल की हत्या हुई थी। इसे लेकर मुकदमा २००७ में दर्ज हुआ। दस दिन पहले ही राजू की शादी हुई थी। राजू पाल के दोस्त उमेश पाल इस हत्याकांड के मुख्य गवाह थे। हत्याकांड के बाद अतीक ने उमेश को मामले से हटने की धमकी दी थी। उमेश नहीं माने तो २८ फरवरी २००६ को उसका अपहरण कर लिया गया। उसे करबला स्थित कार्यालय में अतीक ने रात भर पीटा था। अतीक ने उनसे अपने पक्ष में हलफनामा लिखवा लिया। अगले दिन उमेश ने अतीक के पक्ष में अदालत में गवाही भी दे दी। हालांकि, वह समय बदलने का इंतजार कर रहे थे। २००७ में बसपा सरकार बनी।

मायावती मुख्यमंत्री बनीं। २००७ के चुनाव में एक बार फिर शहर पश्चिमी सीट से अतीक के भाई अशरफ को राजू पाल की पत्नी पूजा पाल ने हरा दिया। इसके बाद अतीक पर शिकंजा कसना शुरू हुआ। हालात बदले तो उमेश ने अपने अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया। इस मामले की उमेश सालों पैरवी करते रहे। अपने अपहरण के मामले को लगभग अंजाम तक पहुंचा दिया, लेकिन फैसले से एक महीने पहले उनकी हत्या कर दी गई। उमेश पाल अपहरण मामले में ही अतीक को सजा हुई थी।

झांसी में अतीक ने जताई थी हत्या किए जाने की आशंका

गुजरात की साबरमती जेल से प्रयागराज ले जाते समय अतीक अहमद का काफिला झांसी में भी रुका था। यहां उसने अपनी हत्या की आशंका जताई थी, जो शनिवार की रात सच साबित हुई। प्रयागराज में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की ताबडतोड. गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। जबकि, इसके दो दिन पहले झांसी में अतीक का बेटा असद और शूटर गुलाम एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड.में मारा गया था।

साबरमती जेल से प्रयागराज ले जाते समय एक माह के दरम्यान अतीक अहमद तीन बार झांसी से होकर गुजरा। २७ मार्च की सुबह उसे यहां लाया गया था और पुलिस लाइन में तकरीबन दो घंटे तक रोका गया था। उसने अपनी हत्या की आशंका जताई थी। इसके अलावा उसके काफिले के पीछे आई अतीक की बहन ने भी भाई की सुरक्षा को खतरा बताया था। इसके बाद पिछले बुधवार को भी झांसी होकर गुजरा था। तब अतीक ने कहा था कि सरकार ने उसके परिवार को मिट्टी में मिला दिया है। अब तो रगडा जा रहा है।

फेमिना मिस इंडिया २०२३ का ताज विजेती नंदिनी गुप्ता. साथ में ड्वर्स्ट अॅण्ड सेकंड रनरअप श्रेया पुंजा और स्ट्रॅल लुवांग

१९ साल की नंदिनी गुप्ता ने मिस इंडिया २०२३ का खिताब

मणीपुर : फेमिना मिस इंडिया २०२३ का ताज राजस्थान की नंदिनी गुप्ता के सिर पर सज चुका है। १९ साल की नंदिनी इस खिताब के साथ ५९वीं मिस इंडिया बन गई हैं। राजस्थान के कोटा शहर से इस बेटी ने २९ कंटेस्टेंट्स को पीछे छोडते हुए ब्यूटी पेजेंट का ताज अपने नाम किया है, जिसके बाद वह कई यंग गर्ल्स के लिए इंस्पिरेशन बन गई हैं। नंदिनी के कॉन्फिडेंस के साथ उनकी खूबसूरती और चार्म ने हर किसी को उनका दीवाना बना दिया। डार्क मरून कलर के गाउन में वह स्टेज पर बहुत ही अट्रैक्टिव पर्सनालिटी लग रही थीं।

नंदिनी गुप्ता ने इस ब्यूटी पेजेंट प्रतियोगिता में फैशन डिजाइनर रॉकी स्टार द्वारा डिजाइन किया हुआ गाउन पहना था। रॉकी ने इस पेजेंट में मौजूद सभी ब्यूटी क्वीन के आउटफिट्स को डिजाइन किया था, जिसमें वे किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही थीं। हालांकि मिस इंडिया का ताज नंदिनी ने हासिल किया, जो पेशे से एक मॉडल भी हैं। इसका सबूत उनका सोशल मीडिया है, जिस पर पहले से ही उनके ग्लैमरस फोटोशूट्स मौजूद हैं।

नंदिनी जो अब लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं, उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि वह किन्हें अपने जीवन की इंस्पिरेशन मानती हैं। नंदिना ने कहा, 'मेरी लाइफ में सबसे प्रभावशाली व्यक्ति सर रतन टाटा हैं, जो मानवता के लिए सब कुछ करते हैं और अपनी कमाई का अधिकांश हिस्सा दान में देते हैं। वे लाखों लोगों के चहेते हैं और हमेशा जमीन से जुडे. हुए रहते हैं।' वहीं प्रियंका चोपडा को वह अपनी आइडियल के रूप में देखती हैं। जिन्होंने साल २००० में मिस वर्ल्ड का ताज अपने नाम किया था।

बता दें कि मिस इंडिया का खिताब अपने नाम करने के लिए नंदिनी बचपन से ही इसका सपना देख रही हैं। उन्होंने कहा, जब मैं १० साल की थी, 'तभी से फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में भाग लेना चाहती थीं। लेकिन बडे.होने के साथ ही मुझे समझ आया कि इस जनी को कुछ ही लोग फील कर पाते हैं। ये स्टेज आपको नई उंचाईयों तक लेकर जाता है। एक साधारण सी लडक़ी को मिस इंडिया का स्टेज उसकी सादगी के साथ असाधारण बना देता है।'

'जांच में दोष निकले तो सजा मिलनी चाहिए',

सीएम केजरीवाल को सीबीआई के समन पर बोले 'गुरु'अन्ना हजारे

मुंबई : दिल्ली शराब घोटाले की जांच करते हुए अब सीबीआई सीएम केजरीवाल तक पहुंच गई है. दिल्ली सीएम से पूछताछ के लिए १६ अप्रैल की तारीख तय की गई है और इसके लिए उन्हें समन जारी किया गया है. केजरीवाल को मिले समन पर अन्ना हजारे ने प्रतिक्रिया दी है. हुए अन्ना हजारे ने कहा, ''कुछ दोष दिखाई दे रहा इसलिए पूछताछ होगी, अगर गलती की है तो सजा होनी चाहिए.''

अन्ना हजारे ने आगे कहा, ''मैंने तो पहले भी एक लेटर लिखा था, शराब के बारे में क्यों सोचते हैं, अच्छी बातें सोचो, पैसे के लिए कुछ भी करना ठीक नहीं, शराब ने किसी का भला किया हो ऐसा तो कभी नहीं हुआ, इसलिए अभी सीबीआई ने जो देखा होगा तो इंक्वायरी हो रही है, अगर कोई दोष निकलता है तो सजा करनी चाहिए.''

उन्होंने यही भी कहा है कि जब ये मेरे साथ में थे तब ऐसा कोई दिन नहीं गया होगा जब मैंने यह न कहा हो कि आचार, विचार शुद्ध रखो, शुद्ध रास्ते से ही जाना है, बुराई का दाग नहीं होना चाहिए, मुझे बड़ा दुख होता है कि सिसोदिया जैसा व्यक्ति जेल में है. हमेशा समाज और देश का भला होना चाहिए खुद का नहीं.

दरअसल, दिल्ली सरकार में शराब घोटाले से हड़कँप मचा हुआ है. सीबीआई ने इस मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल को समन भेजा है और उन्हें १६ अप्रैल को पूछताछ के लिए बुलाया है. इसी बीच शनिवार को खबर आई है कि दिल्ली विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र बुलाया गया है. ये विशेष सत्र सोमवार के लिए बुलाया गया है. आम आदमी पार्टी सरकार ने यह विशेष सत्र ऐसे समय में बुलाया है, जब सीएम केजरीवाल को सीबीआई ने पूछताछ के लिए बुलाया है.

देश के विकास के लिए हमें फिर से एक होना होगा : मोहनजी भागवत

अहमदाबाद : संघ प्रमुख मोहनजी भागवत ने विभिन्न जातियों और संप्रदायों के बीच एकता का संदेश दिया. भागवत ने कहा, पहले हम एक थे, लेकिन हम जातियों के रूप में विभाजित हुए और इस विभाजन को विदेशियों ने और बढ़ा दिया, लेकिन अब देश के विकास के लिए, हमें फिर से एक होना होगा.

समाजशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन अहमदाबाद के जीएमडीसी मैदान में किया गया. इस कार्यक्रम में लगभग १५,००० स्वयंसेवक शामिल हुए. यहां आरएसएस कार्यकर्ताओं को समाज शक्ति संगम कार्यक्रम में संबोधित करते हुए भागवत ने संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को उनकी १३२वीं जयंती पर याद किया और कहा कि बाबासाहेब ने कहा था कि समतामूलक समाज से ही देश का विकास होगा. भागवत ने कहा, आंबेडकर ने कहा था कि हम विदेशी आक्रमणकारियों से हार गए, क्योंकि हम विभाजित थे.

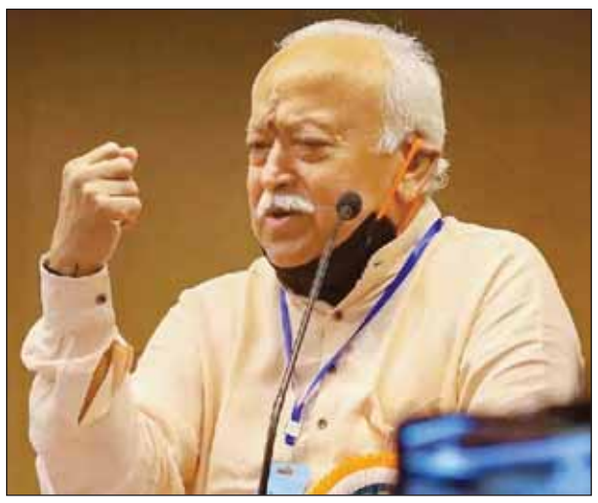

बाबासाहब अंबेडकर के जन्म की एक ऐसी घटना

संघ प्रमुख ने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर के जन्म की एक ऐसी घटना थी कि उस समय किसी ने ध्यान नहीं दिया होगा. लेकिन वो कदम जब पूरा हुआ तो क्या परिवर्तन आया वो हम देख रहे हैं. डॉ. बाबा साहब तो चले गए लेकिन अभी वो परिवर्तन आना बाकी है. हमें इसकी ओर चलना होगा...

संघ प्रमुख ने आगे कहा, आज हम स्वतंत्रता का ७५वां वर्ष देख रहे हैं. उस स्वतंत्रता में अपने वास्तिविक स्व अभिव्यक्ति प्राप्त करने के लिए तंत्र हमारे हाथ में आया. इस देश में विदेशी नहीं चाहिए हमारे अपने हाथ में हमारे राज्य चाहिए इसलिए कि गुलामी में स्वंय की अभिव्यक्ति नहीं हो सकती.

२०२५ में आरएसएस के शताब्दी वर्ष

संघ प्रमुख मोहन भागवत गुजरात के अहमदाबाद शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में संगठन के स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे. संघ के एक पदाधिकारी के मुताबिक, यह कार्यक्रम २०२५ में आरएसएस के शताब्दी समारोह से जुड़े कार्यक्रमों की शृंखला के तहत आयोजित किया जा रहा है.

खेत में शराब पार्टी में १६ लोगों की मौत

बिहार के मोतिहारी में हुई घटना

मोतिहारी : मोतिहारी के तुरकौलिया, हरसिद्धी और पहाडपुर थाना क्षेत्र में शराब पार्टी में शनिवार दोपहर तक १६ लोगों की मौतें हो गई। मरने वालों की उम्र १९ से ४८ साल के बीच की है। इनमें सबसे अधिक तुरकौलिया से ११, हरसिद्धी से ३ और पहाडपुर से २ लोगों की मौत हुई है। मरने वालों के परिजनों का कहना है कि गुरुवार शाम गेहूं की फसल काटने के बाद खेत में शराब पाटी हुई थी। रात में घर आकर सो गए। सुबह कई लोगों की तबीयत बिगडने लगी। अस्पताल में पहले पिता-पुत्र ने दम तोडा। इसके बाद प्रशासन ने गांव में मेडिकल टीम भेजी। जहरीली शराब से मौत की बात से इनकार कर दिया। शनिवार सुबह तक प्रशासन डायरिया और फूड प्वाइजनिंग पर डटा रहा। इधर, लोग मर रहे हैं और पोस्टमार्टम बगैर परिवार वालों ने ७ लाशों को जला दिया गया। १२ लोग गंभीर है, उनके बारे में कोई जानकारी खुलकर नहीं आ रही है। इनके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इन लोगों द्वारा भी शराब पीने की बात सामने आ रही है। इधर, मामला गंभीर होते देख पुलिस मुख्यालय के मोतिहारी एसपी को जांच का निर्देश दिया है।

गेहूं की फसल काटने के बाद शराब पी थी

मृत छोटू कुमार की बहन प्रतिमा कुमारी ने बताया कि गुरुवार को वह काम करने बालगंगा गांव गया था। गेहूं की फसल काटने के बाद धुप पासवान भी उसके साथ ही काम करने गया। शाम में धुप पासवान ने उसे शराब पिला दी। यहां पर कुल ६ लोग शराब पाटी की थी। इसमें से ४ की मौत हो गई। इनमें धुप पासवान भी शामिल था।

वहीं मृत अशोक कुमार की बेटी शोभा ने कहा कि पिताजी ने भी शुक्रवार शाम को शराब पी थी। घर आए तो रात में एक रोटी खाकर सो गए। उन्होंने सिर बहुत दर्द कर रहा, आराम से सोने दो। शुक्रवार सुबह उनकी तबीयत बिगडी गई। सदर अस्पताल लेकर गए तो वहां से मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

अतीक अहमद की हत्या और असद के एनकाउंटर से बीजेपी को फायदा या नुकसान?

नई दिल्ली : माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद यूपी सरकार पर कई तरह के सवाल खडे.हो रहे हैं. इसी बीच अतीक अहमद की हत्या और उसके बेटे असद के एनकाउंटर के बाद एबीपी न्यूज. ने त्वरित सर्वे किया है. जनता की राय जानने के लिए सी वोटर ने एबीपी न्यूज. के लिए सर्वे किया है. सी वोटर के इस सर्वे में १७०० लोगों की राय ली गई है और सर्वे १५ से १७ अप्रैल के बीच यूपी में किया गया है. इस सर्वे में मार्जिन ऑफ एरर प्लस माइनस ३ से प्लस माइनस ५ फीसदी है. इस सर्वे में ये पता लगाने की कोशिश की गई है कि अतीक की हत्या और असद के एनकाउंटर से बीजेपी को फायदा या नुकसान हुआ है.

एबीपी सी वोटर के इस सर्वे में अतीक की हत्या और असद के एनकाउंटर को बीजेपी को फायदा या नुकसान होगा. इस सर्वे के आंकडे.देखे जाएं तो बीजेपी को इससे ४७ प्रतिशत फायदा, १७ प्रतिशत नुकसान और इसका बीजेपी पर कोई असर नहीं होगा इसका आंकडा २६ प्रतिशत है. वहीं इस मामले के लेकर १० प्रतिशत ने कहा कि पता नहीं है.

बीआरओ ने रिकॉर्ड समय में खोला लेह-मनाली का राजमार्ग

नई दिल्ली : सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लेह-मनाली राजमार्ग (एनएच ३) को २५ मार्च, २००२३ को १३८ दिनों के रिकॉर्ड समय में खोल दिया है। पिछले साल बीआरओ को इस राजमार्ग को यातायात के लिए खोलने में १४४ दिन लगे थे। ये मनाली के रास्ते लद्दाख को बाकी भारत से जोड़ने वाला ४२७ किलोमीटर लंबा एक रणनीतिक राजमार्ग है। इसका लद्दाख के अंदरूनी क्षेत्रों में सशस्त्र बलों और उनकी आपूर्ति की आवाजाही में खासा रणनीतिक महत्व है। साथ ही ये लद्दाख के लोगों को भारत से जोड़ता है। ये राजमार्ग ४२२ किलोमीटर लंबे श्रीनगर-कारगिल-लेह राजमार्ग (एनएच-१डी) का एक वैकल्पिक रास्ता है, जिसे १६ मार्च २०२३ को सीमा सड़क संगठन द्वारा खोला गया था। बीआरओ ने निम्मू-पदम-दारच में १६,५८० फीट पर स्थित शिंकुला दर्रे को भी २३ मार्च २०२३ को ५५ दिनों के रिकॉर्ड समय में खोल दिया है।

लेह-मनाली राजमार्ग आम तौर पर सर्दियां आने के साथ ही नवंबर के आखिर से बंद हो जाता है और मार्च में जाकर खुलता है। लद्दाख में

बीआरओ फ्रंटलाइन प्रोजेक्ट हिमांक और हिमाचल प्रदेश में प्रोजेक्ट दीपक द्वारा पूरी ४२७ किलोमीटर सड़क की बर्फ को साफ कर दिया गया है। ये चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन कुशल जनशक्ति और अत्याधुनिक मशीनों से लैस दो अलग अलग टीमों द्वारा सड़क के दो छोर से शुरू किए गए। हिमाचल प्रदेश के सरचू में दो बर्फ हटाने वाली टीमों के एक समान बिंदु पर पहुंचने के साथ ही वहां एक 'गोल्डन हैंडशेक' समारोह

आयोजित किया गया ताकि राजमार्ग को खुला घोषित किया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी की फैन हुई अमेरिकी वाणिज्य मंत्री

बोलीं- उनका भारत के लोगों के लिए समर्पण गजब

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत में लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है लेकिन अब दुनिया के नेता भी प्रधानमंत्री मोदी के कायल होते जा रहे हैं। अमेरिका की सेक्रेटरी ऑफ कॉमर्स यानी कि वाणिज्य मंत्री जिना राइमोंडो भी पीएम मोदी की मुरीद हो गई हैं। जिना राइमोंडो का कहना है कि पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता किन्हीं वजहों से ही हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक विजनरी नेता हैं।

अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में जिना राइमोंडो ने कहा कि 'मैंने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक घंटे से ज्यादा समय बिताया। वह दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता यूं ही नहीं हैं, वह एक विजनरी नेता हैं और उनका भारत के लोगों के लिए समर्पण गजब है। वह लोगों को गरीबी से उबारने की इच्छा रखते हैं और भारत को आगे बढाकर वैश्विक ताकत बनाना चाहते हैं और वह ऐसा कर भी रहे हैं।' जिना राइमोंडो बीते माह भारत दौरे पर आई थी और इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं से मुलाकात की थी।

ब्रिटिश सांसद भी कर चुके हैं तारीफ

ब्रिटेन के सांसद, अर्थशास्त्री, बैंकर और शिक्षाविद निकोलस स्टर्न भी पीएम मोदी की तारीफ कर चुके हैं। विश्व बैंक के कार्यक्रम 'मेकिंग इट पर्सनलः हाउ बिहेवियरल चेंज कैन टैकल क्लाइमेट चेंज' के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी विकास और विकास की एक पूरी नई कहानी लेकर आए हैं। मैंने नवंबर २०२१ में ग्लासगो में कॉप २६ में उनके भाषण को ध्यान से सुना और जो मापदंड निर्धारित किया, वह स्थायी लचीलापन और समावेशी विकास जैसा दिखता है।

चीता परियोजना में पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता

नई दिल्ली : केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि चीता परियोजना पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। श्री यादव ने यह बात

कल चीता परियोजना से संबंधित संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता के दौरान अपने संबोधन में कही।

श्री यादव ने चीता को भारत वापस लाने और उसके खोए गौरव को फिर से बहाल करने के लिए भारत सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस कदम से ईको-डेवलपमेंट और ईकोटूरिज्म की गतिविधियों के जरिए स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका के अवसर बढ़ेंगे।

संसदीय सलाहकार समिति ने चीता परियोजना के बारे में विस्तार से चर्चा की और अफ्रीकी देशों से भारत में चीतों के सफल स्थानांतरण हेतु सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

इसके अलावा, सांसदों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में वन एवं वन्यजीवों से संबंधित मुद्दों और समाज एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़े व्यापक हित के मुद्दों को रेखांकित किया। श्री यादव ने सलाहकार समिति के सभी सदस्यों का उनके सुझावों के लिए धन्यवाद किया और समिति को यह आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों को उपयुक्त तरीके से हल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी के साथ वन्यजीवों एवं पर्यावरण संरक्षण तथा उनकी सुरक्षा के प्रति संकल्पबद्ध है।

इंदौर में स्कूल को ईमेल से मिली बम से उड़ने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

इंदौर : इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र के जवाहर टेकरी स्थित दिल्ली इंटरनेशनल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी. ये धमकी स्कूल को ईमेल के जरिए दी गई थी. ईमेल की भाषा इंग्लिश है, जिसमें लिखा गया है कि हमने स्कूल के अंदर एएनएफओ बम लगाए हैं. इसे अलकायदा के एक पूर्व सदस्य ने असेंबल किया था. वे ३ घंटे में विस्फोट करने के लिए तैयार हैं. हम विभिन्न इमारतों और असुरक्षित कैमरों के जरिए स्थिति पर नजर रख रहे हैं. अगर कोई इन बमों को निष्क्रिय करने की कोशिश करता है तो वे बम खुद ही फट जाएंगे.

अंबेडकर जयंती के दिन ऑफिस के मेल पर मिली थी धमकी

चंदननगर थाना प्रभारी सुनील शर्मा ने बताया कि चंदन नगर थाना क्षेत्र के जवाहर टेकरी पर स्थित दिल्ली इंटरनेशनल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी. वहां स्कूल से जुडे. हुए एक व्यक्ति ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि १४ अप्रैल को अंबेडकर जयंती के दौरान ऑफिस के मेल पर एक ईमेल आया था. जिसमें स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी. मेल में अलकायदा का भी जिक्र किया गया है. जिसकी शिकायत दर्ज कर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है कि किसके द्वारा यह धमकी भरा ईमेल भेजा है.

पहले मिली ऐसी धमकी मामले में एक शख्स है अभी जेल में

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है, जब इस तरह से बम से उडाने की धमकी दी गई है. इससे पहले भी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को उनकी भारत जोडो यात्रा के दौरान एक मिठाई की दुकान पर एक पत्र के जरिए धमकी दी गई थी कि इंदौर में उन्हे बम से उडा दिया जाएगा. हालांकि, पुलिस ने यात्रा के बाद धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया. अब देखना यह होगा की स्कूल को बम से उडाने की धमकी देने वाले को कब तक पुलिस अपनी गिरफ्त में लेकर खुलासा करती है कि क्या वाकई जिस तरह से उसमें अलकायदा जैसे आतंकी संगठन के नाम का जिक्र किया गया है, क्या वह इसमें शामिल है या नहीं.

नाल्को-बार्क : पहला बॉक्साइट सीआरएम जारी

नई दिल्ली : भारत सरकार के खान मंत्रालय के तहत नवरत्न सीपीएसई, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को), जो देश का एल्युमिना और एल्युमिनियम का अग्रणी निर्माता तथा निर्यातक है, ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के सहयोग से बीएआरसी बी १२०१ नाम के एक बॉक्साइट प्रमाणित संदर्भ सामग्री (सीआरएम) को सफलतापूर्वक विकसित किया है।

यह भारत में अपनी तरह का पहला और विश्व में ५वां सीआरएम है। श्री एम.पी. मिश्र, निदेशक (पी एंड टी), नाल्को और डॉ. ए. सी. सहायम, विभागाध्यक्ष, नेशनल सेंटर फॉर कंपोजिशनल कैरेक्टराइजेशन ऑफ मटेरियल्स ने बीएआरसी बी १२०१ को औपचारिक रूप से नाल्को और बीएआरसी के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में २४ मार्च २०२३ को नाल्को रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी सेंटर, भुवनेश्वर में लांच किया।

गर्व की भावना व्यक्त करते हुए और इस उत्पाद के विकास में शामिल पूरी टीम को बधाई देते हुए, नाल्को के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री श्रीधर पात्रा ने कहा, बार्क के सहयोग के परिणामस्वरूप हमारी अनुसंधान प्रयोगशालाओं के लिए आवश्यक इस विशिष्ट उत्पाद को विकसित किया गया है। यह उपलब्धि शोधकर्ताओं को और अधिक नवाचार के लिए प्रेरित करेगी और आत्मनिर्भर भारत तथा मेक इन इंडिया पहल में भी योगदान देगी।

उल्लेखनीय है कि यह नया उत्पाद बॉक्साइट के नियमित विश्लेषण में विश्लेषणात्मक तरीकों, उपकरणों के प्रदर्शन और डेटा गुणवत्ता नियंत्रण के मूल्यांकन में एक माप मानक के रूप में उद्योगों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा उपयोग किया जाएगा और यह आयात के प्रतिस्थापन में भी सफल होगा।

अमेरिकी चेतावनी के बाद झुका चीन!

युद्ध में किसी पक्ष को हथियार नहीं बेचने का लिया संकल्प

बीजिंग : चीन रूस-यूक्रेन युद्ध में किसी भी पक्ष को हथियार नहीं बेचेगा। दरअसल, पश्चिमी देशों ने चिंता जताई थी कि बीजिंग रुस को सैन्य सहायता प्रदान कर सकता है, जिसका जवाब देते हुए चीन के विदेश मंत्री किन गैंग ने शुक्रवार, १४ अप्रैल को यह बात कही। चीन ने राजनीतिक, बयानबाजी और आर्थिक रूप से रूस का समर्थन करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि वह संघर्ष में तटस्थ है। चीन का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिमी देशों ने रूस पर दंडात्मक प्रतिबंध लगाए हैं और मॉस्को को अपने पडोसी पर आक्रमण के लिए अलग-थलग करने की मांग की है।

किन गैंग रुस को हथियारों की बिक्री के बारे में इस तरह का स्पष्ट बयान देने वाले उच्चतम स्तर के चीनी अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि चीन दोहरे नागरिक और सैन्य उपयोग वाली वस्तुओं के निर्यात को भी विनियमित करेगा। किन ने जर्मन समकक्ष एनालेना बेयरबॉक के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सैन्य सामग्री के निर्यात को लेकर चीन विवेकपूर्ण और जिम्मेदार रवैया अपनाता है। उन्होंने कहा, चीन संघर्ष के संबंधित पक्षों को हथियार मुहैया नहीं कारएगा और कानूनों और नियमों के अनुसार दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं के निर्यात का प्रबंधन और नियंत्रण करेगा।

विदेश मंत्री ने संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने में मदद करने की चीन की इच्छा को भी दोहराया। संवाददाता सम्मेलन में

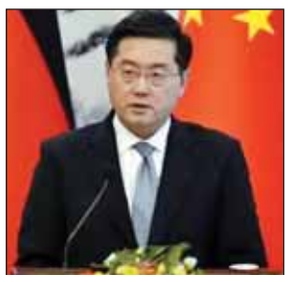

विदेश मंत्री किन गैंग

किन ने बीजिंग द्वारा बडे. पैमाने पर सैन्य अभ्यास किए जाने के बाद बढे. हुए क्षेत्रीय तनाव के लिए ताइवान की सरकार को दोषी ठहराया।

अमेरिका ने दी थी चेतावनी

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने फरवरी में कहा था कि, अमेरिका के पास ऐसी खुफिया जानकारी है कि चीन रूस को हथियार और गोला-बारूद उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि क्रेमलिन के युद्ध के प्रयास में इस तरह की साझेदारी एक 'गंभीर समस्या' होगी। व्हाइट हाऊस ने शुक्रवार को किन के संकल्प का स्वागत किया कि चीन रूस को हथियारों की आपूर्ति नहीं करेगा, लेकिन कुछ घबराहट भी व्यक्त की।

व्हाइट हाऊस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने एक बयान में कहा, जैसा कि हमने हमेशा कहा है, हमें नहीं लगता कि उस दिशा में आगे बढ़ना चीन के हित में है। हम बारीकी से निगरानी करना जारी रखेंगे।

यूरोपीय नेताओं ने भी दी थी चेतावनी

यूरोपीय नेताओं ने भी इसी तरह की चेतावनी जारी की थी, जब उन्होंने चीन का दौरा किया था। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख ने बीजिंग पर हमला करते हुए कहा था कि आक्रमण के दौरान रूस का समर्थन संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धताओं का एक घोर उल्लंघन है।

जर्मनी की विदेश मंत्री बेयरबॉक ने अपनी टिप्पणी में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में चीन की भूमिका का उल्लेख किया और कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने में मदद करने के लिए यह एक विशेष जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लेकिन मुझे इस बात पर आश्चर्य है कि चीन ने अब तक युद्ध को रोकने के लिए आक्रामक रूस से बात क्यों नहीं की। हम सभी जानते हैं कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब चाहे इस युद्ध को रोक सकते हैं और यूक्रेन के लोग इससे ज्यादा कुछ नहीं चाहेंगे कि अंततः फिर से वे शांति से रह सकें।

चीनी नेता शी जिनपिंग की पिछले महीने मॉस्को की यात्रा ने इस बात को रेखांकित किया कि कैसे बीजिंग तेजी से संबंधों में वरिष्ठ साझेदार बनता जा रहा है क्योंकि यह रूस को एक आर्थिक जीवन रेखा और राजनीतिक आवरण प्रदान करता है। चीन ने शुक्रवार को घोषणा की कि रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू अपने समकक्ष सर्गेई शोइगू और अन्य सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक के लिए अगले सप्ताह रूस का दौरा करेंगे।

दिल्ली-धर्मशाला-दिल्ली उड़ान को दिखाई गई झंडी

नई दिल्ली : केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और केन्द्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री जनरल वी.के. सिंह ने इंडिगो एयरलाइन की दिल्ली-धर्मशाला-दिल्ली की प्रथम उड़ान को झंडी दिखाई।

इस अवसर पर केन्द्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में इंडिगो की कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि इस पहाड़ी राज्य में उड़ान भरे बिना इंडिगो सही अर्थों में राष्ट्रीय एयरलाइन नहीं बन सकती थी। श्री ठाकुर ने एक बड़े हवाई अड्डे की आवश्यकता रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देशभर से हिमाचल आने वाले यात्रियों को दिल्ली जाना पड़ता है और फिर वहां से संबंधित राज्य के लिए कनेक्टिंग उड़ान पकड़नी पड़ती है। उन्होंने कहा कि एक बड़ा हवाई अड्डा यात्रियों को सीधी निर्बाध कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करेगा।

श्री ठाकुर ने देश में हवाई अड्डों से संबंधित अवसंरचना के त्वरित विस्तार का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दिया। उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में ही हवाई अड्डों की संख्या ७४ से बढ़कर १४० से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि उड़ान योजना के कारण हवाई चप्पल पहनने वाले लोग अब हवाई जहाज में यात्रा कर पा रहे हैं। इस हवाई अड्डे द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं के महत्व के बारे में चर्चा करते हुए, श्री ठाकुर ने कहा कि धर्मशाला हवाई अड्डा कनेक्टिविटी को सरल बनाते हुए पांच जिलों को जोड़ता है और इससे राज्य की आधी

प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होती है। इंडिगो की यह उड़ान इस राज्य के आधे हिस्से और पंजाब के कुछ स्थानों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगी।

केन्द्रीय राज्यमंत्री जनरल वी. के. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि धर्मशाला हवाई अड्डा से पहली उड़ान १९९० में शुरू हुई थी, जिसके बाद इसके प्रचालनों का विस्तार हुआ और अब इसके पास १३७६ मीटर लम्बा रनवे है। केन्द्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि स्थान की सुविधा उपलब्ध होने पर इस रनवे की लंबाई को और बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दलाई लामा की उपस्थिति के कारण इस हवाई अड्डे पर बहुत अधिक यातायात देखा जाता है और यह हवाई अड्डा पूरे उत्तर-पश्चिमी हिमाचल प्रदेश को हवाई संपर्क प्रदान करता है। इंडिगो की यह उड़ान और अधिक संख्या में पर्यटकों को हिमाचल लेकर आएगी जिससे राज्य के लोगों को बहुत लाभ होगा।

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में पिछले ६५ वर्षों में जितनी सुविधा अर्जित नहीं हुई थी, उतनी सुविधा पिछले नौ वर्षों के दौरान १४८ हवाई अड्डों, वाटरड्रोम एवं हेलीपोर्ट के निर्माण के जरिए अर्जित की गई है। उन्होंने कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय अगले तीन से चार वर्षों के भीतर इस संख्या को बढ़ाकर २०० से अधिक करने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहा है। यह प्रयास बड़े मेट्रो हवाई अड्डों के साथ-साथ देश के अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी सुलभ करते हुए दूरदराज के हवाई अड्डों को समान महत्व प्रदान करेगा।

श्री सिंधिया ने राज्य में खेल अवसंरचना के निर्माण के लिए श्री अनुराग ठाकुर के प्रयासों की सराहना की और कहा कि उनके अथक प्रयासों के कारण ही धर्मशाला आज न केवल क्षेत्रीय या राष्ट्रीय क्रिकेट, बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का केंद्र बन गया है। उन्होंने धर्मशाला के शानदार स्टेडियम की तुलना दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्टेडियम से की। उन्होंने कहा कि क्रिकेट से राज्य की आर्थिक कार्यकलापों में तेजी आयी है और इसका श्रेय भी श्री अनुराग ठाकुर को जाता है।

श्री सिंधिया ने श्री अनुराग ठाकुर द्वारा धर्मशाला हवाई अड्डे के विस्तार के आग्रह को स्वीकार किया और कहा कि इसके लिए उनका मंत्रालय पहले से ही दो चरण की योजना पर काम कर रहा है। पहले चरण में वर्तमान रनवे को १९०० मीटर तक बढ़ाना शामिल है ताकि टर्बोप्रॉप विमान जो अभी लोड पेनल्टी के साथ उतरते हैं, उन्हें बिना लोड पेनल्टी के उतरने के लिए सक्षम बनाया जा सके। दूसरे चरण में रनवे को बढ़ाकर ३११० मीटर तक करना शामिल होगा, ताकि हवाईअड्डे पर बोइंग ७३७ और एयरबस ए३२० को उतारने के विजन को साकार किया जा सके।

राज्य में अपने मंत्रालय की अन्य उपलब्धियों के बारे में श्री सिंधिया ने कहा कि शिमला हवाई अड्डे पर रनवे की मरम्मत का काम पूरा हो गया है और मंडी में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के लिए स्थल-स्वीकृति प्रदान की गयी है। उन्होंने दोहराया कि उनका मंत्रालय राज्य में नागरिक उड्डयन अवसंरचना के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री सिंधिया ने कहा, ''नागरिक उड्डयन क्षेत्र का पूर्ण लोकतंत्रीकरण हुआ है और जो लोग हवाई जहाजों को केवल उड़ते हुए देख सकते थे, वे आज इनमें उड़ रहे हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उड़ान योजना के विजन के फलस्वरूप भारत के हवाई यात्रियों की संख्या में १ करोड़ १५ लाख लोग जुड़ गए हैं।

उड़ान के तहत हिमाचल राज्य को ४४ रूट उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें से २२ पहले से ही प्रचालन में हैं। राज्य में मंत्रालय की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए, श्री सिंधिया ने कहा कि कनेक्टिविटी २०१३-१४ के प्रति सप्ताह ४० एयरक्राफ्ट से बढ़कर ११० एयरक्राफ्ट हो गई है और इस प्रकार ९ वर्षों में १७५ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से धर्मशाला में, पिछले नौ वर्षों में हवाई यातायात की संख्या में ११० प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो २०१३-१४ के प्रति सप्ताह २८ से बढ़कर आज ५० मूवमेंट तक पहुंच गई है।

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा से संसद सदस्य श्री किशन कपूर ने कहा कि राज्य के लोगों के लिए हवाई संपर्क में विमान एक प्रमुख योगदान है। राज्य में कोविड १९ महामारी के दौरान पर्यटक कार्यकलापों में भारी गिरावट आयी थी और अब इसमें फिर से तेजी देखी जा रही है। श्री कपूर ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से धर्मशाला के लिए उड़ान भरने वाले विमानों की संख्या को बढ़ाने पर विचार करने का अनुरोध किया।

इंडिगो एयरलाइन दिल्ली से धर्मशाला के लिए प्रतिदिन उड़ानें प्रचालित करेगी।

ईडी की कार्रवाई

खबर आई हैं कि भारत सरकार के एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट अर्थात ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पिछले पांच वर्षों में विभिन्न मामलों में कुल ३७४ लोगों को गिरफ्तार किया और ३४ हजार करोड की संपत्ति जब्त की। इसमें कई कॉर्पोरेट्स के डायरेक्टर भी शामिल हैं। खबर चौकाने वाली नहीं हैं लेकिन एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट अच्छी तरह काम कर रहा हैं इसका प्रमाण देने वाली जरूर है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की ओर से संसद में दिए गए लिखित जवाब के मुताबिक ईडी की कार्रवाई से जुड़े आंकड़े २८ फरवरी २०२३ तक के हैं। इस कार्रवाई के दौरान करोड़ों रुपए की संपत्ति जब्त की है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि ईडी ने ३३ हजार ८६२ करोड़ २० लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। यह राशि किसी छोटे राज्य के सालाना बजेट के बराबर हो सकती हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि हमारे देश में आर्थिक अपराधों का प्रमाण कितना बड़ा हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एक कानून द्वारा बनी आर्थिक अपराध विरोधी एजेंसी है, जो भारत में आर्थिक कानूनों को लागू करने और आर्थिक अपराध से लड़ने के लिए काम करती है। ईडी की स्थापना १९५६ में हुई थी। लेकिन उसे अच्छी तरह से काम में लगे हुए देखने का समय अब जाकर आया हैं। प्रवर्तन निदेशालय का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के दो प्रमुख अधिनियमों का पालन करवाना हैं। इसी के तहत ईडी द्वारा जब्त की गई ३३ हजार ८६२ करोड़ से अधिक संपत्ति में स्टर्लिंग बायोटेक के साथ-साथ विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के मामलों में की गई कार्रवाई भी शामिल है। इसमें से १५ हजार ११३ करोड़ २ लाख रुपये की संपत्ति जब्त कर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सौंप दी गई है। पिछले पांच साल में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े ३४९७ मामले दर्ज किए हैं। इन आंकडो से साफ दिखता हैं कि ईडी कितनी गंभीरता से काम कर रही है। दूसरी ओर ईडी ने क्रिप्टोकरेन्सी के बढ़ते पैमाने पर भी ध्यान दिया हैं। प्रवर्तन निदेशालय क्रिप्टोकरेन्सी/ वर्चुअल डिजिटल करेंसी धोखाधड़ी से संबंधित कई मामलों की जांच कर रहा है, जिसमें कुछ क्रिप्टो यंत्रणाएं मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल पाई गई हैं। आभासी डिजिटल संपत्ति के व्यवहार में आपराधिक दुरुपयोग की बड़ी संभावना होती है। लोग आसानी से पैसा कमाने के लिए नाजायज मार्गों के इस्तेमाल में नहीं कतराते और कई तरह के अपराध ऐसी अवस्था के चलते घटते हैं। भारत एक खंडप्राय देश हैं जिसमे करीब १४० करोड लोग रहते हैं। इनमें आर्थिक अपराधियों की संख्या दस प्रतिशत से भी कम होगी लेकिन उनके द्वारा होने वाली अफरा तफरी के आंकडे बड़े होते हैं। समाज के लिए यह बड़ी घातक बात हैं। इसलिए हम सबको ईडी द्वारा की जा रही कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए। ईडी में भी मानव काम करते हैं। उनसे गलतियां भी हो सकती हैं। उन्हें कोर्ट के सामने अपना केस रखनी पड़ता हैं और उसके पिछे पुख्ता प्रमाण भी खड़े रखने पड़ते हैं। हाल ही में ऐसा एक चलन आया हैं कि ईडी की कार्रवाईयों के उद्देश्य पर शक किया जा रहा हैं। प्रश्न करना समाज के जागरूक लोगों का अधिकार जरूर हैं लेकिन हम इस बात का ऐहतियात बरतें कि कितने ही दशकों के बाद कोई सरकारी एजेन्सी आर्थिक अपराधियों की नकेल कसने निकली हैं तो उसे हतोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। अगर हर समय किसी के उद्देश्य को लेकर सवाल पैदा होते रहे तो हताशा बढेगी और फिर कोई भी अच्छा काम करने के लिए आगे नहीं आएगा। सावधानता इसलिए जरुरी हैं कि हम सुनें या पढें कुछ भी, लेकिन प्रतिक्रिया देते समय देश का और देश के सामान्य जनों के हितों का ध्यान जरूर रखें।

आवरण कथा

अवधेश कुमार

सही न्याय की शुरुआत

कई बार हमारे सामने जो कुछ घटित होता है उसके महत्व को नहीं समझ पाते। बड़ी - बड़ी घटनाएं भी हमें सामान्य लगती है। अतीक अहमद को प्रयागराज के सांसद-विधायक न्यायालय द्वारा दी गई उम्र कैद की सजा आज सामान्य लग सकती है। उसने अपराध किया और उसकी सजा हुई। जिन्होंने ८० और ९० के दशक के उत्तर प्रदेश में अतीक और उसके पूरे गैंग या जुड़े हुए लोगों के कारनामे देखे हैं उनके लिए यह कल्पना करना भी कठिन था कि उसके विरुद्ध पुलिस की कोई बड़ी कार्रवाई हो सकती है। जिस व्यक्ति के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी लिखवाने का अर्थ अपने साथ परिवार और रिश्तेदारों के नष्ट हो जाने का खतरा मोल लेना था उसकी ऐसी दशा होगी इसकी कल्पना की भी नहीं जा सकती थी। जो मामले पुलिस नहीं सुलझा सकती थी वह भी अतीक के पास जाता था। उसके पास दूसरे को अपने अनुसार बोलने, काम करने को विवश करने के लिए पूरी प्रणाली थी। फोन पर आदेश देकर बुलाना, न आने पर उठा लेना, टॉर्चर करना, मनमाने तरीके से जहां चाहो हस्ताक्षर करवाना और जो चाहो बुलवा लेना अतीक अहमद के तंत्र का सामान्य क्रियाकलाप था। अतीक को साबरमती जेल से प्रयागराज लाने या बुलडोजर की कार्रवाई उसे वापस ले जाने सहित अन्य घटनाक्रमों पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं देख लीजिए। इस पर एक ही प्रतिक्रिया होनी चाहिए थी कि दुर्दांत अपराधी, जिसने पूरे प्रदेश की सत्ता तक को उंगलियों पर रखा उसके और उससे जुड़े लोगों के साथ ऐसा ही होना चाहिए। इसकी जगह आपको इतने किंतु परंतु मिलेंगे, संविधान कानून का हवाला दिया जाएगा कि ऐसा बताया जाएगा मानो अतीक और उसके लोगों के साथ उपयुक्त व्यवहार नहीं हो रहा और योगी आदित्यनाथ की सरकार ही अन्यायी और अपराधी है।

इसका पहला निष्कर्ष तो यही है कि प्रदेश में यदि योगी सरकार नहीं होती तो अतीक को सजा दिलाना या बुलडोजर से संपत्तियों को ध्वस्त करना तो छोड़िए इतने लंबे समय तक जेल में रखना संभव नहीं होता। सपा के नेता- प्रवक्ता चाहे जितने गुस्से का प्रदर्शन करें सच यही है अतीक अहमद अपने जीवन के २१ वर्ष उसी पार्टी में रहा और सामान्य सदस्य के रूप में नहीं। उसे पांच बार विधायक एवं एक बार सांसद समाजवादी पार्टी ने ही बनाया। क्या सपा के नेतृत्व को अतीक के आपराधिक साम्राज्य का पता नहीं था? सब कुछ जानते हुए उसे विधानसभा और लोकसभा में लाकर आम लोगों का नियति निर्धारक बनाना क्या साबित करता है?

ध्यान रखिए, उसके विरुद्ध पहला मुकदमा १९७९ में दर्ज हुआ । इस तरह उसे सजा तक लाने में ४४ वर्ष लगे हैं। उस पर १०० मुकदमे दर्ज होने के आंकड़े हैं। इस समय करीब ५० मामले न्यायालय में चल रहे हैं। इनमें हर प्रकार के जघन्य अपराध शामिल हैं। जो पुलिस प्रशासन अतीक के विरुद्ध आक्रामक होकर कानूनी सीमाओं में इस स्तर की कार्रवाई कर रहा है वही पहले उसके सामने नतमस्तक क्यों था?

जो लोग भी भय और भ्रष्टाचार से मुक्त राज व्यवस्था व समाज की कामना करते हैं उन्हें राजनीतिक विचारधारा या समर्थन विरोध से परे हटकर इस प्रश्न का उत्तर तलाशना चाहिए। जिन लोगों ने साहस करके मुकदमा दर्ज किया उनकी दशा क्या हुई इसकी छानबीन करेंगे तो रोंगटे खड़े हो जाएंगे। जिस उमेश पाल अपहरण कांड में अतीक को उम्रकैद की सजा हुई उसमें उसके वकील खान सौलत हनीफ को भी उम्र कैद मिली है। ऐसे मामले विरले होते हैं जिसमें मुख्य आरोपी के साथ उसका वकील भी उतना ही बड़ा अपराधी साबित हुआ हो। उमेशपाल का अपहरण कर लाया गया तो वह पूरे कागजात तैयार करके रखा था जिस पर उसे हस्ताक्षर करना था और यही बयान उसे पुलिस और न्यायालय के समक्ष देना था। ध्यान रखिए, तब सपा का कार्यकाल था और मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे।

उमेशपाल ने अतीक के पक्ष में बयान दिया। कल्पना करिए, जिस उमेशपाल ने मित्र राजूपाल की हत्या की कानूनी लड़ाई का संकल्प किया और उसी में उसकी जान भी गई उसने किन परिस्थितियों में अतीक के पक्ष में गवाही दी होगी! जब मायावती २००७ में मुख्यमंत्री बनी तभी उसके विरुद्ध कार्रवाई नए सिरे से आरंभ हुई। उमेशपाल ने प्राथमिकी दर्ज कराई तथा विरुद्ध बयान दिया। हालांकि मायावती भी अपने शासनकाल में अतीक के विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया को मुकाम तक नहीं ले जा सकीं क्योंकि उनके विधायकों और मंत्रियों में भी उससे संपर्क- संबंध रखने वाले थे और जिनका स्वयं भ्रष्टाचार और अपराध का अतीत था। उनके बाद अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली सपा सरकार में तो कोई उसे स्पर्श करने की सोच भी नहीं सकता था।

उस दौरान उसके विरुद्ध मायावती शासन काल में मुकदमा दर्ज करने वालों की हालत क्या रही होगी इसकी कल्पना भी आसानी से की जा सकती है। वह केवल १९९९ से २००३ तक अपना दल में रहा। २००४ में सपा ने ही उसे पंडित जवाहरलाल नेहरू के क्षेत्र फूलपुर से उम्मीदवार बनाकर लोकसभा भेज दिया। यह समय केंद्र में यूपीए सरकार का कार्यकाल था। प्रदेश में ३ वर्ष तक मुलायम सिंह यादव की सरकार रहेगी। २०१४ में भी अगर नरेंद्र मोदी की लहर नहीं होती तो अतिक्रमण लोकसभा पहुंच जाता।

चाहे कोई कितना बड़ा अपराधी बाहुबली माफिया हो अगर वह माननीय बन गया तो विशेषाधिकार हो जाते हैं और सामान्यतः पुलिस प्रशासन उसके विरुद्ध मुकदमे लेने, कार्रवाई करने से तब तक बचता है जब तक राजनीतिक नेतृत्व प्रत्यक्ष परोक्ष हरी झंडी नहीं दे देता। योगी आदित्यनाथ सरकार में भी आरंभ में उसके विरुद्ध कार्रवाई की गति अत्यंत धीमी रही। लंबे समय तक प्रदेश में ऐसे अपराधियों माफियाओं और अंडरवर्ल्ड के लिए हर स्तर का इंफ्रास्ट्रक्चर यानी आधारभूत संरचना सशक्त हो गयी। इन सबको तलाश कर ध्वस्त करना आसान नहीं है।

सरकार के समक्ष समस्या कानून और उसकी प्रक्रियाओं के पालन करते हुए कार्रवाई की होती है जबकि माफियाओं और अपराधियों के समक्ष अपनी तथा तंत्र की रक्षा करने -छिपाने के लिए कोई बाध्यता नहीं। बावजूद योगी आदित्यनाथ सरकार की प्रशंसा करनी होगी कि उन्होंने इतने बड़े माफिया को इस स्थिति में ला दिया कि केवल आदेश पर हत्या और अपहरण कराने वाले की पत्नी और बच्चे को भी स्वयं हत्या करने के लिए सामने आना पड़ा। उनके सामने अब बचने का कोई चारा नहीं है। यानी पूरे परिवार के कानूनी रूप से खत्म होने की आधारभूमि। विधानसभा में जब मुख्यमंत्री ने इस माफिया को मिट्टी में मिला देंगे की घोषणा की उसी समय अतीक और उसके साम्राज्य के अंत का संकेत मिल गया।

लोग प्रश्न उठा रहे हैं कि आखिर सड़क से उसे इतनी दूर प्रयागराज लाने की आवश्यकता क्या थी? निस्संदेह, उसे हवाई जहाज या रेल से भी लाया जा सकता था। सड़क से लाने की घोषणा के साथ ही देश भर में चर्चा होने लगी कि या तो गाड़ी पलटेगी या उसको मुठभेड़ में मार दिया जाएगा।

यह भय पूरे रास्ते आने और लौटने तक अतीक के अंतर्मन में रहा होगा, उसके परिवार और रिश्तेदार एवं समर्थक भी हर क्षण इसी चिंता में डूबे रहे होंगे कि पता नहीं कब उसका अंत कर दिया जाए। यह कानूनी भी सही है और इससे अपराध करने वाले के अंदर यह एहसास हुआ होगा कि अगर उसने न किया होता तो ऐसी स्थिति नहीं होती।

इससे दूसरे अपराधियों -आतंकवादियों -माफियाओं के अंदर भी संदेश गया होगा कि तुम्हारी भी दुर्दशा ऐसी ही होगी। अपराध उन्मूलन या नियंत्रण के क्षेत्र में डेटरेंट यानी भय निवारक शब्द का प्रयोग होता है। इसका अर्थ है कि ऐसी कार्रवाई करें जिसे देखकर भय से दूसरे अपराधी अपराध करना छोड़ दें और नए अपराधी तैयार नहीं हो हो।

उम्मीद करनी चाहिए साबरमती जेल से नैनी जेल लाने और यहां से ले जाने के प्रसंग का ऐसा ही असर हुआ होगा। न जाने ऐसे लोगों के कितनी संख्या होगी जिन्हें अतीक के कारण परिवार, रिश्तेदार, दोस्त की जान गंवानी पड़ी होगी, संपत्तियां छोड़नी पड़ी होगी या भय से पलायन कर चुप कर रहना पड़ा होगा। इन सबके साथ सही न्याय की शुरुआत हो गई है। इसमें बिना लाग लपेट कहा जा सकता है कि उमेशपाल हत्याकांड की कानूनी परिणति भी वही होगी जो होनी चाहिए।

दिल्ली
-९८११०२७२०८

जहर में घुलती जिंदगी और तेजी से बिगड़ता स्वास्थ्य

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

प्रत्येक मानव को बेहतर उपचार तक पहुंच बनाने और सम्पूर्ण विश्व में स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटकर स्वास्थ्य कल्याण की योजना को प्रोत्साहन देने के लिए ७ अप्रैल १९४८ को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई। इस साल २०२३ को इसे ७५ साल पूरे हो रहे है। इसी दिवस पर विश्व स्वास्थ्य दिवस पूरी दुनिया में स्वास्थ्य-सुविधा व जागरूकता के रूप में मनाया जाता है, इस वर्ष की थीम सभी के लिए स्वास्थ्य यह है। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ, व्यक्ति के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य की देखभाल करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आज दूषित हवा, पानी, खाना अर्थात जीवन विकास के लिए सबसे आवश्यक चीजे ही ख़राब स्तर की हो तो बेहतर स्वास्थ्य कैसे बना रहे, वर्तमान में इसके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार हमारी जीवनशैली है। हमारी चटोरी जुबान स्वास्थ्य के लिए बेहतर खाद्यपदार्थों को नकारकर केवल स्वाद के हिसाब से खाद्यपदार्थों का चयन करती है। वसा, पाचन में भारी, मसालेदार, तला, मीठा, नमकीन ऐसे खाद्य पदार्थ की मांग अधिक है। आज की पीढ़ी को तो जंक फूड, फ़ास्ट फूड जैसा बाहरी खाना ज्यादा पसंद आता है, इसलिए अब स्ट्रीट फूड का चलन बहुत बढ़ गया है। सबको तैयार उत्पाद चाहिए, घर पर मेहनत नहीं।

आज हम जिस आधुनिकता का दम भरते है और जिस दमघोटू माहौल में जी रहे है, वह वातावरण धीमे जहर की भांति हमारे शरीर को कमजोर करके गंभीर बीमारियों से मार रहा है। धीमा जहर से तात्पर्य प्रदूषण, बढ़ते कंक्रीट के जंगल, मिलावटखोरी, नैसर्गिक संसाधनों का अतिदोहन, सिकुड़ते वन क्षेत्र, वाहन व यांत्रिक उपकरणों का अतिउपयोग, नशाखोरी, शोर, प्लास्टिक व घातक रसायनों का बढ़ता उपयोग, ई-कचरा, मेडिकल कचरा, अशुद्धता जैसी समस्याएं से है, जो वातावरण को दूषित कर स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं उत्पन्न करता है। सीधे तौर पर कोई हम पर हमला करे या नुकसान पहुंचाए तो हम उसका कड़ा विरोध करते है, परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से अर्थात मिलावटखोरी या प्रदुषण से कोई हमें जान से भी मारे तो भी अधिकतर हम चुपचाप सहते है, अप्रत्यक्ष रूप में प्रदूषण का जहर घातक बीमारियों को निर्मित करके हमें मारता है।

सुदृढ़ स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, प्रत्येक मानव को बेहतर उपचार तक पहुंच बनाने और सम्पूर्ण विश्व में स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटकर स्वास्थ्य कल्याण की योजना को प्रोत्साहन देने के लिए ७ अप्रैल १९४८ को विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की गई। इस साल २०२३ को इसे ७५ साल पूरे हो रहे है। इसी दिवस पर विश्व स्वास्थ्य दिवस पूरी दुनिया में स्वास्थ्य-सुविधा व जागरूकता के रूप में मनाया जाता है, इस वर्ष की थीम सभी के लिए स्वास्थ्य यह है। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ, व्यक्ति के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य की देखभाल करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार : घरेलू बजट का १०% या उससे अधिक स्वास्थ्य पर खर्च करने के कारण दुनिया भर में लगभग ९३० मिलियन लोगों के गरीबी में गिरने का खतरा है। उद्योग, परिवहन, कोयला बिजली संयंत्र और घरेलू ठोस ईंधन का उपयोग वायु प्रदूषण में प्रमुख योगदानकर्ता हैं। कम और मध्यम आय वाले देशों में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल हस्तक्षेपों को बढ़ाने से २०३० तक ६० मिलियन लोगों की जान बचाई जा सकती है और साथ ही औसत जीवन प्रत्याशा ३.७ साल तक बढ़ाई जा सकती है। इसके लिए ३७० अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता है।

दूषित हवा छीन रही सांसे : हम जिस हवा में सांस लेते हैं वह खतरनाक रूप से प्रदूषित हो रही है, दस में से नौ लोग अब प्रदूषित हवा में सांस लेते हैं, जिसके कारण हर साल ७ मिलियन लोगों की असमय मौत होती है। वायु प्रदूषण से स्ट्रोक, फेफड़ों के कैंसर और हृदय रोग होने से कुल मौतों में से एक तिहाई मौतें होती हैं। घरेलू वायु प्रदूषण एक वर्ष में ४ मिलियन लोगों को मारता है। दुनिया भर में, ५ से १८ वर्ष की आयु के १४% बच्चों को वायु प्रदूषण से अस्थमा है। हर साल ५ वर्ष से कम उम्र के ५४३००० बच्चे वायु प्रदूषण से जुड़ी सांस की बीमारी से जान गवाते हैं। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित एक नए अध्ययन के अनुसार, २०१९ में भारत में प्रदूषण के कारण २.३ मिलियन से अधिक अकाल मृत्यु हुई। अकेले वायु प्रदूषण के कारण लगभग १.६ मिलियन मौतें हुईं, और ५००,००० से अधिक जल प्रदूषण के कारण हुईं।

विश्व स्वास्थ्य दिवस
विशेष ०७ अप्रैल २०२३

एअर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स अनुसार : भारत आज दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों में से एक है। वायु प्रदूषण वैश्विक जीवन प्रत्याशा को लगभग २.२ वर्ष कम कर देता है एवं औसत भारतीय जीवन प्रत्याशा को ६.३ वर्ष कम कर देता है, देश के कुछ क्षेत्रों में औसत से कहीं अधिक खराब स्थिति है, ऐसे क्षेत्र में आयु १० साल से कम हो जाती है। प्रत्यक्ष सिगरेट के धुएं से लगभग १.९ वर्ष की वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा में कमी आती है। वायु प्रदूषण के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित किये गए मानक स्तर पर भारत देश खरा नहीं उतरता है।

भारत का लगभग ७०% सतही जल मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त है। हर दिन, लगभग ४० मिलियन लीटर अपशिष्ट जल नदियों और जल के अन्य निकायों में प्रवेश करता है। बढ़ते शहरीकरण से जल निकाय भी जहरीले होते जा रहे हैं। कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स के उपयोग के कारण तेजी से ई-कचरे की मात्रा विश्व स्तर पर लगातार बढ़ रही है। ग्लोबल ई-वेस्ट स्टैटिस्टिक्स पार्टनरशिप (जीईएसपी) के अनुसार, २०१९ तक पिछले पांच वर्षों में इसमें २१% की वृद्धि हुई।

बढ़ती मिलावटखोरी : २०२१-२२ में खाद्य नियामक ने १४४,३४५ नमूनों का विश्लेषण किया, जिनमें से ३२,९३४ एफएसएस अधिनियम, २००६ और विनियमों के तहत निर्धारित मानकों का उल्लंघन करते पाए गए। मिलावटी खाद्य जहरीला होता है यह स्वास्थ्य को प्रभावित कर मनुष्य के समुचित विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्वों से वंचित करता है। सबसे बुरी बात यह है कि कुछ मिलावटी खाद्यपदार्थ तो दर्दनाक मौत देनेवाली बीमारियों के जनक होते है। चिकित्सा विज्ञान की एक पत्रिका के अनुसार दूषित भोजन और पानी के सेवन से भारत में हर साल लगभग २ मिलियन मौतें होती हैं।

आज दूषित हवा, पानी, खाना अर्थात जीवन विकास के लिए सबसे आवश्यक चीजे ही ख़राब स्तर की हो तो बेहतर स्वास्थ्य कैसे बना रहे, वर्तमान में इसके लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार हमारी जीवनशैली है। हमारी चटोरी जुबान स्वास्थ्य के लिए बेहतर खाद्यपदार्थों को नकारकर केवल स्वाद के हिसाब से खाद्यपदार्थों का चयन करती है। वसा, पाचन में भारी, मसालेदार, तला, मीठा, नमकीन ऐसे खाद्य पदार्थ की मांग अधिक है। आज की पीढ़ी को तो जंक फूड, फ़ास्ट फूड जैसा बाहरी खाना ज्यादा पसंद आता है, इसलिए अब स्ट्रीट फूड का चलन बहुत बढ़ गया है। सबको तैयार उत्पाद चाहिए, घर पर मेहनत नहीं। जीवनशैली के हिसाब से अब जानलेवा घातक बीमारियां हमें आसानी से जकड़ती है। आज किसी भी उम्र में कोई भी कभी भी बीमारी का शिकार होकर अपनी जान गवाता है। कभी इस समस्या पर गौर किया है कि ऐसा क्यों हो रहा है? इसका मुख्य कारण है जहरीला वातावरण और हमारी अनभिज्ञता। आधुनिकता ने दूसरों पर निर्भरता बढ़ायी है, यांत्रिक संसाधन के बगैर आज हम जी नहीं सकते।

भोजन बनाने के लिए आवश्यक ज्यादा से ज्यादा पदार्थ पैकेजिंगवाली चीजें हम बाहर से ही खरीदना पसंद करते है, जबकि इन चीजों को बनाते समय अनेक प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ता है, जिसके कारण उसमे बहुत-से रसायन मिलते है, जो उस वस्तु के मूल पोषकतत्वों को कम कर शरीर को नुकसान भी पंहुचा सकते है। यहाँ तक कि अनाज भी पॉलिश किया हुआ खरीदते है क्योंकि वो अनाज दिखने में चमकदार दिखता है। आज हमारे जीवन में हर तरफ रसायन का उपयोग उच्चतम स्तर पर है। खेती में रसायन, फलों को पकाने और संग्रहण में रसायन। मिलावटखोरी तो इस कदर है कि किसी भी खाद्य उत्पाद के पूर्णत शुद्धता की गारंटी लेना मुश्किल है।

जागरूकता और सावधानी जरूरी : डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों, पेय पदार्थों, फास्ट फूड और प्रोसेस्ड फूड का सेवन कम करें। हाई-फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप, कृत्रिम मिठास, ट्रांस फैट, कृत्रिम खाद्य रंग, मोनोसोडियम ग्लूटामेट, सोडियम नाइट्रेट और सोडियम नाइट्राइट, पर्क्लोरेट, थैलेट, बिस्फेनोल्स, बीपीए, सोडियम बेंजोएट और पोटेशियम बेंजोएट, ब्यूटिलेटेड हाइड्रॉक्साइनिसोल जैसे पदार्थ विविध खाद्यपदार्थों में मिश्रित होते है, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से काफी नुकसानदेह है। ऐसे चीजों से हमेशा बचना चाहिए। चूंकि गर्मी प्लास्टिक से बीपीए और थैलेट को भोजन में लीक कर सकती है, इसलिए प्लास्टिक के कंटेनरों में भोजन या पेय पदार्थों को रखने से बचें। इसके अलावा: प्लास्टिक को डिशवॉशर में डालने के बजाय हाथ से धोएं। प्लास्टिक की जगह कांच और स्टेनलेस स्टील का ज्यादा इस्तेमाल करें। खाने को छूने से पहले और बाद में अच्छी तरह से हाथ धोएं और सभी फलों और सब्जियों को अच्छी तरह से साफ करें।

निरोगी काया के लिए सबसे उत्तम है कि दिखावे और आधुनिक जीवनशैली का साथ छोड़े, आधुनिक विचारों से बने। सबसे मुख्य बात कि सरकारी नीति-नियमों, निर्देशों का कड़ाई से पालन हों। यांत्रिक साधनों का सीमित उपयोग करें। जंगल समृद्ध बनाना होगा, ताकि पर्यावरण का चक्र सुचारु रूप से चल सके, जिससे जल स्त्रोत समृद्ध होंगे, बेहतर ऑक्सीजन मिलेगा, ग्लोबल वार्मिंग की समस्या में सुधार होगा, बेहतर फसल मिलेगी और प्राकृतिक आपदाएं व बीमारियों में कमी आएगी। वन ही जीवन का आधार है, वृक्षारोपण को लगातार बढ़ावा देना प्रत्येक मनुष्य की जिम्मेदारी है।

जल जीवन मिशन की महत्वपूर्ण उपलब्धि

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ६० प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। भारत में १.५५ लाख से अधिक गांवों (कुल गांवों की संख्या का २५ प्रतिशत) को अब 'हर घर जल' पहुंच रहा है यानी इन गांवों के प्रत्येक घर के अपने परिसर में नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध है। चालू वर्ष में जनवरी से मार्च २०२३ तक जल जीवन मिशन के तहत प्रति सेकंड एक नल कनेक्शन प्रदान किया गया है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिसमें वर्ष २०२३ के पहले तीन महीनों के दौरान प्रतिदिन औसत रूप से ८६,८९४ नए नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने १५ अगस्त, २०१९ को जल जीवन मिशन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य सभी ग्रामीण परिवारों को नियमित और दीर्घकालिक आधार पर पर्याप्त मात्रा में (५५ एलपीसीडी) पर्याप्त दबाव के साथ निर्धारित गुणवत्ता का पानी उपलब्ध कराना है। जल जीवन मिशन की समग्र वित्तीय प्रतिबद्धता ३६०० बिलियन (४३.८० बिलियन अमेरिकी डॉलर) रूपये है जो इसे विश्व का एक सबसे बड़ा कल्याणकारी कार्यक्रम बनाती है। अगस्त २०१९ में इस मिशन के शुरुआत के समय, १९.४३ करोड़ ग्रामीण परिवारों में से केवल ३.२३ करोड़ (१६.६५ प्रतिशत) परिवारों के पास ही नल का पानी उपलब्ध था। कोविड महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण हाल के वर्षों में पैदा हुए कई व्यवधानों के बावजूद राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने जल जीवन मिशन को लागू करने के बारे में लगातार प्रयास किए हैं। देश ने ४ अप्रैल २०२३ को 'हर घर जल' की इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिसमें ११.६६ करोड़ (६० प्रतिशत) से अधिक ग्रामीण परिवारों को उनके घरों में नल से जल की आपूर्ति उपलब्ध कराई गई है। ५ राज्यों गुजरात, तेलंगाना, गोवा, हरियाणा और पंजाब और ३ केंद्र शासित प्रदेशों - अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दमन दीव एवं दादरा नगर हवेली और पुडुचेरी ने शत-प्रतिशत कवरेज हासिल कर ली है। देश अपने सभी ग्रामीण परिवारों को नल के माध्यम से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

जल जीवन मिशन केवल बुनियादी ढांचा विकास कार्यक्रम नहीं है। इस मिशन में जल आपूर्ति की पर्याप्तता, सुरक्षा और नियमितता के रूप में सेवा आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जल जीवन मिशन को लागू करने की गति और उसका पैमाना अभूतपूर्व रहा है। केवल ३ वर्षों में, ४० करोड़ से अधिक लोगों के साथ ८.४२ करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवार (आईएमआईएस स्रोत के अनुसार ४.९५ व्यक्ति प्रति ग्रामीण परिवार) कार्यक्रम के तहत लाभान्वित हुए हैं। यह संख्या संयुक्त राज्य अमेरिका की ३३.१ करोड़ जनसंख्या से अधिक है और यह ब्राजील की २१ करोड़ और नाइजीरिया की २० करोड़ जनसंख्या से लगभग दोगुनी है और मेक्सिको की १२.८ करोड़ और जापान की १२.६ करोड़ जनसंख्या से तीन गुना से भी अधिक है। बच्चों के स्वास्थ्य और भलाई पर ध्यान देने के साथ-साथ सभी ग्रामीण स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और आश्रमशालाओं (जनजातीय आवासीय विद्यालयों) में पीने, मध्याह्न भोजन पकाने, हाथ धोने और शौचालयों में उपयोग के लिए जल कनेक्शन प्रदान करने के बारे में विशेष प्रयास किए गए हैं। अब तक, ९.०३ लाख (८८.२६ प्रतिशत) स्कूलों और ९.३६ लाख (८३.७१ प्रतिशत) आंगनवाड़ी केंद्रों में नल से पानी की आपूर्ति उपलब्ध कराई जा चुकी है।

जल जीवन मिशन के तहत सुरक्षित पानी की आपूर्ति मुख्य विचारणीय विषय रहा है। जल जीवन मिशन के शुभारंभ के समय देश में १४,०२० आर्सेनिक और

७,९९६ फ्लोराइड से प्रभावित बस्तियां मौजूद थीं। राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के द्वारा किए गए ठोस प्रयासों के कारण जल जीवन मिशन की शुरूआत के बाद तीन वर्षों की छोटी अवधि में ही ऐसी बस्तियों की संख्या घटकर क्रमशः ६१२ और ४३१ रह गई है। इन बस्तियों में भी अब सभी लोगों के लिए पीने और खाना पकाने के लिए सुरक्षित जल उपलब्ध हो रहा है।

वास्तव में, आर्सेनिक या फ्लोराइड से प्रभावित बस्तियों में रहने वाले सभी १.७९ करोड़ लोगों को अब पीने और खाना पकाने के लिए सुरक्षित पानी उपलब्ध हो रहा है।

अब २,०७८ जल परीक्षण प्रयोगशालाएं विकसित की गई हैं, जिनमें से १,१२२ एनएबीएल से मान्यता प्राप्त हैं। पानी की गुणवत्ता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) का उपयोग करके जल के नमूनों के परीक्षण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में २१ लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। वर्ष २०२२-२३ में, एफटीके के माध्यम से १.०३ करोड़ जल नमूनों का परीक्षण किया गया है और प्रयोगशालाओं के माध्यम से ६१ लाख जल नमूनों का परीक्षण किया गया है। मिशन द्वारा एक विशेष 'स्वच्छ जल से सुरक्षा' अभियान शुरू किया गया था और वर्ष २०२२-२३ के दौरान ५.३३ लाख गांवों में रासायनिक और ४.२८ लाख गांवों में जैविक अपमिश्रण (मानसून के बाद) के लिए जल गुणवत्ता परीक्षण होने की जानकारी दी गई है।

सरकार की जल गुणवत्ता निगरानी प्रयासों की ताकत का इस तथ्य से प्रमाण *(शेष पृष्ठ ५ पर)*

मुंबई में शनिवार, १ अप्रैल, २०२३ को नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र के दूसरे दिन के उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर अपनी पत्नी मीरा राजपूत के साथ शामिल हुए। इनके साथ रश्मिका मंदाना, दिशा पाटनी, प्रियांका चोप्रा, अनन्या पांडे, श्रद्धा कपूर और बॉलिवुड कलाकार तथा कई बडी हस्तियाँ भी मौजूद थे।

बिग बी कुछ दिन और आराम करेंगे

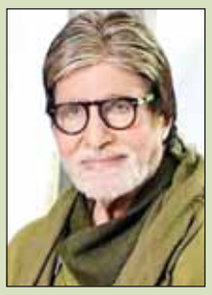

मुंबई : अमिताभ बच्चन को कुछ दिनों पहले एक शूटिंग के दौरान गंभीर चोट लग गई थी। तब से उनका इलाज चल रहा है। कुछ दिनों पहले उन्हें एक शो में रैंपवॉक करते हुए देखा गया था। इस कारण उनके फैंस पूछ रहे हैं कि अमिताभ कब वापसी करेंगे। उनके निकटवर्ती से पूछने पर बिग बी के करीबियों ने कहा कि उनकी उम्र को देखते हुए उन्हें कुछ दिन और आराम करना होगा। वे अभी काम पर नहीं लौट पाएंगे। पिछले महीने हैदराबाद में फिल्म 'प्रोजेक्ट के' के लिए एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान अमिताभ बच्चन घायल हो गए थे। उनकी पसली की मांसपेशियां जख्मी हो गई थीं। इसलिए इस फिल्म की शूटिंग भी कैंसिल कर दी गई थी।

oooo

नागराज मंजुले: सरल और स्पष्ट व्यक्ति

मुंबई : सैराट, नाल, फैंड्री, झुंड जैसी चर्चित फिल्मों के डायरेक्टर नागराज मंजुले बेहद संवेदनशील माने जाते हैं। वहीं उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह खुद को बहुत भोला और सरल समझते हैं। नागराज पोपटराव मंजुले और ज़ी स्टूडियोज द्वारा निर्मित घर, बांगुक और बिस्यानी मराठी फिल्म रिलीज हो रही है।

इस मौके पर उन्होंने कलाकार आकाश तोसर, सैली पाटिल, निर्माता मंगेश कुलकर्णी के साथ एक अखबार से बातचीत की। पहली बार निभा रहे पुलिस अफसर के किरदार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। फिल्म की शूटिंग के दौरान के कई किस्से भी सुनाए।

इस मौके पर उन्होंने देश की राजनीति पर भी टिप्पणी की। आप एक कलाकार हैं। मेरे पास राजनीति में आने और जीवित रहने का धैर्य नहीं है। उन्होंने इस दौरान कहा था कि वह बहुत ही सरल और स्पष्ट व्यक्ति हैं।

oooo

दक्षिणी अभिनेता की मराठी शुरुआत

मुंबई : तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी फिल्मों में अपने करिश्माई व्यक्तित्व और उम्दा अभिनय से छाप छोड़ने वाले कबीर दूहन सिंह अब श्रेयश जाधव की फिल्म 'फकाट' से मराठी सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म में वह एक आतंकवादी की भूमिका निभाएंगे। अलग-अलग भाषाओं में काम करने के बाद कबीर मराठी फिल्मों में काम करना चाहते थे और 'फकाट' के मौके पर उनकी ये ख्वाहिश पूरी हो गई है। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वाकटुंड एंटरटेनमेंट्स, गणराज स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, नीता जाधव द्वारा निर्मित, फिल्म 'फकाट' १९ मई को रिलीज हो रही है। फिल्म में हेमंत धोमे, सुयोग गोरहे, अविनाश नारकर, नीतीश चव्हाण मुख्य भूमिका में हैं।

oooo

'दसरा' की 'भोला' को टक्कर

मुंबई/हैदराबाद : बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म 'भोला' ३० मार्च को रिलीज हुई। फिल्म की रिलीज से पहले ही इसकी खूब चर्चा हुई थी। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। भोला के साथ एक और फिल्म इस समय रिलीज हुई थी। इसका नाम है 'दसरा' और यह साउथ की फिल्म है। इस तेलुगु फिल्म में नानी मुख्य भूमिका निभा रहा हैं। इस फिल्म का दर्शक पिछले कई दिनों से इंतजार कर रहे थे।

अब रिलीज के बाद दसरे ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त 'ओपनिंग' की है। खास बात यह है कि 'दसरा' ने भोला से ज्यादा कमाई की है। अजय की 'भोला' ने पहले दिन करीब १० करोड़ का कलेक्शन किया है, वहीं 'दसरा' ने पहले दिन २१ करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म दसरा को तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में रिलीज किया गया है। यह फिल्म तेलुगु संस्करण में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है।

'अप्सरा' सीधे मराठी से साउथ में आएगी

मुंबई : अपने अभिनय और नृत्य कौशल से एक विशिष्ट मुकाम बनाने वाली अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी ने मराठी की दहलीज पार कर सीधे दक्षिणी सिनेमा उद्योग में प्रवेश किया है। वह जल्द ही एक मलयालम फिल्म में मुया के रूप में नजर आएंगी। इसका ऐलान वह पहले ही कर चुकी थीं। हाल ही में उन्होंने अपनी पहली मलयालम

फिल्म का पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस फिल्म का नाम है 'मलाईकोत्ताई वलीबन'। इसमें वह साउथ के सुपरस्टार मोहनलाल के साथ काम करेगी। फिल्म का विषय अभी स्पष्ट नहीं है। फिल्म दिसंबर में रिलीज होने वाली है।

तेजस्विनी लोनारी अब फिल्म में नजर आएंगी

मुंबई : मराठी एक्ट्रेस तेजस्विनी लोनारी इन दिनों सुर्खियों में हैं। 'बिग बॉस मराठी' के चौथे सीजन का जश्न मना रही और 'देवमाणूस' सीरीज के जरिए घर-घर पहुंच ने वाली तेजस्विनी जल्द ही आने वाली फिल्म में दर्शकों के बीच नजर आएंगी। तेजस्विनी ने एक खास पोस्ट शेयर कर फैंस को आने वाले समय की जानकारी दी। तेजस्विनी की अपकमिंग फिल्म का नाम अभी गोपनिय में है, लेकिन वह मकरंद अनासपुरे के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। तेजस्विनी और मकरंद अनासपुरे इससे पहले भी कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। तेजस्विनी ने मकरंद अनासपुरे के साथ 'दोघात आता सगळ विसरा', 'नो प्रॉब्लम', 'बाप रे बाप डोक्याला ताप', 'गुलदस्ता' और 'बायको नंबर १' जैसी फिल्मों में काम किया है।

विनोदवीर कुशल पहली बार नेगेटिव रोल में नजर आएंगे

मुंबई : अपनी मजाकिया टाइमिंग से दर्शकों को हंसाने वाले अभिनेता कुशल बद्रीके अब एक अलग ही रूप में नजर आएंगे। उनका ये रूप अच्छे-अच्छे लोगों को डराने वाला है। वह ऐतिहासिक फिल्म 'रावरंभा' में कुर्कमा कुर्बतखान के दमदार किरदार में नजर आएंगे। कॉमेडी रोल से दर्शकों का दिल जीतने के बाद कुशल पहली बार ऐतिहासिक और नकारात्मक भूमिका में नजर आएंगे। १२ मई को इतिहास का यह मोर पन्ना प्रशंसकों के सामने पर्दे पर खुलेगा।

निर्माता शशिकांत शीला भाऊसाहेब पवार और निर्देशक अनूप जगदाले रावरंभ इस प्रेम कहानी को दर्शकों के सामने लाएंगे। कुर्बत खान, बहलोल खान का वफादार और शाही सल्तनत का संरक्षक, बीजापुर का कौर जासूस था। मेरे अंदर के अभिनेता के लिए इस भूमिका को निभाना चुनौतीपूर्ण था जो दर्शकों को परेशान कर दे। इसलिए, मैंने इस भूमिका को दिखने में विशिष्टता और सौभाग्य को आत्मसात करके निभाया है। मुझे यकीन है कि यह दर्शकों को पसंद आएगी, कुशल कहते हैं।

अभिनेत्री रितुजा बागवे ने खरीदा अपना घर

मुंबई : मराठी मनोरंजन उद्योग की लोकप्रिय अभिनेत्री रितुजा बागवे का सपना सच हो गया है। वह विभिन्न मीडिया जैसे नाटक, धारावाहिक, फिल्मों में काम करती है और दर्शकों से मिलती है। अब तक उनके द्वारा निभाए गए कई किरदारों को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। अब रितुजा ने एक खुशखबरी शेयर की है। खबर है, उसे अभी-अभी अपना नया घर मिला है। रितुजा का बहुत बड़ा फैन बेस है। वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहकर अपने फैन्स से जुड़ी रहती हैं। पिछले साल सितंबर में अपने जन्मदिन पर उन्होंने नया घर खरीदने की खबर अपने प्रशंसकों के साथ साझा की थी। उस दिन वह अपने परिवार के साथ अपना नया घर देखने गई थी। उन्होंने उस समय की कुछ तस्वीरें पोस्ट कर उनका समर्थन करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया।

मुंबई में जोरदार अंदाज में हुआ 'चेंगिज़' का ट्रेलर लॉन्च

मुंबई : बंगाली और हिंदी में एक साथ रिलीज होने वाली पहली बंगाली फिल्म 'चेंगिज़' का एक्शन पैक्ड ट्रेलर आज मुंबई में लॉन्च हुआ है। ये पहली बंगाली फिल्म है जो बंगाली सिनेमा के इतिहास में एक अहम मोड़ लाने वाली है। फिल्म के ट्रेलर के आते ही इंटरनेट पर तूफान मचा दिया है।

फिल्म एंटरटेनिंग प्लॉट और जबरदस्त एक्शन सीन्स के साथ अंडरवर्ल्ड यूनिवर्स की खोज करती है। इसमें सुपरस्टार जीत का एक नया अवतार देखने मिला हैं, वहीं ट्रेलर देख नेटिजन्स भी खूब इम्प्रेस हो रहे है।

इस फिल्म ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर सुपरस्टार जीत भी मौजूद थे, जिन्होंने अपने हाथों में फायर गन के साथ लाल रंग की विंटेज कार में धमाकेदार एंट्री की, जो वाकई देखने लायक थी। इस खास मौके पर फिल्म की लीड एक्ट्रेस सुष्मिता चटर्जी के साथ रोहित बोस रॉय और शताफ फिगर भी मौजूद थें, जो फिल्म में अहम भुमिकाएं निभाते नजर आएंगे। इस ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च में फिल्म के एक्टर्स के अलावा निर्देशक और निर्माता राजेश गांगुली, गोपाल मदनानी और अमित जुमरानी थे।

ऐसे में सुपरस्टार जीत ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, सपनों के शहर से इतना प्यार और अपनापन मिलना बहुत ही शानदार एहसास है। मैं फिल्म के ट्रेलर को मिलने वाले पॉजिटिव रिएक्शन के लिए तरस रहा हूं और मैं २१ अप्रैल को सिनेमाघरों में फिल्म के रिलीज होने का और दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए और इंतजार नही कर सकता। हम कंटेंट के साथ लोगों के दिलों को जीतने के सपने के साथ निकले थे और मुझे लगता है कि फिल्म रिलीज होने पर हमें इसी तरह का प्यार मिलने की उम्मीद है।

वहीं फिल्म की लीड एक्ट्रेस सुष्मिता चटर्जी कहती हैं, मेरा दिल आज आभार और खुशी से भर गया है। ट्रेलर लॉन्च के लिए मुंबई में हमें जितना प्यार मिला है, वह मेरी उम्मीद से परे है और ट्रेलर के लिए इस तरह का पॉजिटिव रिएक्शन यकीनन दिल को छू लेने वाला है। फिल्म के निर्देशक राजेश गांगुली कहते हैं, हमारा मकसद दर्शकों के लिए कुछ नया लाना और जीत को नए अवतार में शो करना था।

ट्रेलर लॉन्च हमारे लिए खुशी का पल था और हमने हर पल को जिया है, अब ब्लॉकबस्टर के बड़े पर्दे पर आने का इंतजार है। जीत, गोपाल मदनानी और अमित जुमरानी द्वारा निर्मित 'चेंगिज़' का निर्देशन राजेश गांगुली ने किया हैं, जिन्होंने डायलॉग्स और स्क्रीनप्ले पर भी काम किया हैं।

विवेक ओबेरॉय मराठी किरदार निभाने की जताई इच्छा

मुंबई : मुंबई यानी महाराष्ट्र ने भारतीय फिल्म उद्योग को जन्म दिया। इसी वजह से पूरी दुनिया में भारतीय फिल्मों की डिमांड है। कई अमराठी कलाकार भी मराठी में काम करने की इच्छा जता रहे हैं। बीते दिनों विवेक ओबेरॉय ने मराठी किरदार निभाने की इच्छा जताई थी। अब मैं मराठी में काम करना चाहता हूं।

हर बार रितेश देशमुख का फोन आता है और मुझे एक नई उम्मीद मिलती है। विवेक ने रितेश की फिल्म वडे की भी तारीफ की है। अब देखना दिलचस्प होगा कि रितेश और विवेक किस फिल्म में साथ नजर आएंगे। खास बात यह है कि अब तक कई कलाकारों ने मराठी में अभिनय किया है।

इसमें अमिताभ बच्चन, रेखा, जया भादुड़ी, अरुणा ईरानी, अनिल कपूर, सतीश शाह, सतीश कौशिक, जॉनी लीवर और कई अन्य शामिल हैं। इस बीच, विवेक ने अब तक कंपनी, सड़क, साथिया, दम, डरना मना है, काल, किसना, युवा, प्यारे मोहन, मिशन इस्तांबुल, मस्ती, गंड मस्ती, प्रिंस जैसी लोकप्रिय फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका फैन बेस भी बहुत बड़ा है।

पुष्पा ने रचा नया इतिहास

हैदराबाद : सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के फैंस उनकी फिल्म 'पुष्पा-२' का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। फिल्म 'पुष्पा-२' का एक खास वीडियो मेकर्स ने शेयर किया है। इस वीडियो में पुष्पा जेल से फरार होकर जंगल में जाता नजर आ रहा है। इस फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन द्वारा लिया गया पारिश्रमिक इसके लायक है। इस सीक्वल के लिए उन्होंने ८५ करोड़ रुपए लिए हैं। इसे सिनेमा में एक नया विक्रम माना जा रहा है। फोटो में अल्लू अर्जुन के लुक ने काफी लोगों का ध्यान खींचा है। इस फोटो में वह खास लुक में नजर आ रहे हैं। फोटो में अल्लू अर्जुन गले में नींबू की माला पहने नजर आ रहे हैं और वह एक रिच साड़ी पहने हुए भी नजर आ रहे हैं। कानों में झुमके, हाथों में चूड़ियां और गले में जूलरी के साथ अल्लू अर्जुन के लुक ने उनके फैन्स का ध्यान खींच लिया है। अल्लू अर्जुन के इस लुक पर कई नेटिज़न्स ने कमेंट किया है और उनकी सराहना की है।

अमित शाह ने अप्पासाहेब धर्माधिकारी को महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार से किया सम्मानित

मौके पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस मौजूद रहे

मुंबई : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नवी मुंबई के खारघर में आध्यात्मिक नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता दत्तात्रेय नारायण उर्फ अप्पासाहेब धर्माधिकारी को महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार २०२२ से सम्मानित किया। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस मौजूद रहे।

खारघर के विशाल कॉरपोरेट पार्क में महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार समारोह के लिए भव्य व्यवस्था की गई। वृक्षारोपण अभियान, रक्तदान और चिकित्सा शिविरों के साथ-साथ आदिवासी क्षेत्रों में नशामुक्ति कार्यों के कारण राज्य में बडी संख्या में धर्माधिकारी अनुयायी मौजूद हैं।

राज्य में १९९५ में शिवसेना-भाजपा गठबंधन के सत्ता में आने के बाद महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार की स्थापना की गई थी। शुरुआत में यह पुरस्कार साहित्य, खेल और विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को मिलता था, लेकिन बाद में इसे सामाजिक कार्य, पत्रकारिता, लोक प्रशासन और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी प्रदान किया जाने लगा।

...तो हम सरकार में नहीं रहेंगे- शिवसेना का अल्टीमेटम

मुंबई : महाराष्ट्र की सत्ताधारी शिवसेना ने गठबंधन सहयोगी बीजेपी को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता अजित पवार से हाथ मिलने को लेकर सचेत किया है. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के प्रवक्ता संजय शिरसाट ने साफ कहा कि अगर अजित पवार एनसीपी नेताओं के साथ बीजेपी से हाथ मिलाते हैं तो उनकी पार्टी महाराष्ट्र में सरकार का हिस्सा नहीं रहेगी.

महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और बीजेपी की गठबंधन सरकार है. वहीं इस गठबंधन को तोड़ने की चेतावनी देते हुए शिरसाट ने कहा, हमारी रणनीति स्पष्ट है. एनसीपी वह पार्टी है जो धोखा देती है. हम एनसीपी के साथ मिलकर शासन नहीं करेंगे. अगर बीजेपी, एनसीपी के साथ जाती है तो महाराष्ट्र को यह पसंद नहीं आएगा. हमने (उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना से) बाहर होने का फैसला किया, क्योंकि लोगों को हमारा कांग्रेस और एनसीपी के साथ होना पसंद नहीं था. शिरसाट ने कहा कि अजित पवार ने कुछ नहीं कहा है, इसका मतलब है कि वह एनसीपी में नहीं रहना चाहते. शिवसेना के नेता ने कहा, हमने कांग्रेस और एनसीपी को छोड़ा, क्योंकि हम उनके साथ नहीं रहना चाहते थे. अजित पवार को वहां पूरी आजादी नहीं है. इसलिए अगर वह एनसीपी को छोड़ते हैं तो हम उनका स्वागत करेंगे.

'हमारा हिंदुत्व राष्ट्रवाद और उनका 'गौमूत्रधारी'...'

नागपुर में बीजेपी-आरएसएस पर बरसे उद्धव ठाकरे

नागपुर : महाराष्ट्र में इन दिनों एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है. इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने एक जनसभा में भारतीय जनता पार्टी, आरएसएस और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा. रविवार को नागपुर में महाविकास अघाड़ी गठबंधन की एक रैली को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि आरएसएस-बीजेपी का हिंदुत्व गौमूत्रधारी हिंदुत्व है. उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुझपर ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि मैं कांग्रेस के साथ चला गया और हिंदुत्व के मुद्दे को छोड़ दिया तो मैं पूछना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस में कोई हिंदू नहीं है?

उद्धव ठाकरे ने बीजेपी-आरएसएस पर निशाना साधा

बीजेपी-आरएसएस पर तंज कसते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि वहां (आरएसएस-बीजेपी में) गौमूत्रधारी हिंदुत्व हैं. उनके लोगों ने संभाजीनगर में उस जगह पर गोमूत्र छिड़का, जहां हमने कार्यक्रम किया था. तो मैं यही कहना चाहता हूं कि उन्हें थोड़ा सा गोमूत्र पीना चाहिए था. उनको समझ आ जाती. उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमारा हिंदुत्व सिर्फ राष्ट्रवाद के बारे में है.

हनुमान चालीस पढ़ते हैं और मस्जिद चले जाते हैं : उद्धव ठाकरे

उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि ये लोग एक तरफ हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं. दूसरी ओर मस्जिद चले जाते हैं. क्या ये हिंदुत्व है? उनके लोग यूपी में जाकरी उर्दू में मन की बात करने लगते हैं. उनका क्या यहीं हिंदुत्व है. मैं अपने हिंदुत्व के बारे में कहना चाहूंगा कि हमारा हिंदुत्व देश के लिए बलिदान देने के बारे में है. उद्धव ठाकरे ने कहा, एक तरफ वे हनुमान चालीसा पढ़ते हैं और दूसरी तरफ, वे मस्जिदों में जाते हैं और कव्वाली सुनते हैं, क्या यह उनका हिंदुत्व है?

सीएम एकनाथ शिंदे पर साधा निशाना

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने हाल ही में अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन करने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी जमकर निशाना साधा, जबकि राज्य में किसान ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से पीड़ित थे. उन्होंने कहा, राज्य में ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश हुई, जिससे किसान मायूस हैं, लेकिन राज्य के सीएम दर्शन (अयोध्या) गए. वहीं केंद्र की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने कहा कि वे लोकतंत्र के मूल्यों की हत्या कर रहे हैं.

सीबीएसई बोर्ड जल्द जारी कर सकता है बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट

इन साइट्स पर देख पाएंगे नतीजे

नई दिल्ली : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) इस साल भी पिछले वर्ष की तरह १०वीं और १२वीं के नतीजे एक ही दिन में कुछ घंटों के अंतराल में घोषित कर सकता है. सीबीएसई बोर्ड की ओर से परीक्षा के परिणाम आधिकारिक साइट results.cbse.nic.in और cbseresuts.nic.in पर जारी कर दिए जाएंगे. जहां छात्र अपना रिजल्ट देख सकेंगे. रिजल्ट चेक करने के लिए विद्यार्थियों को अपना रोल नंबर, जन्म तिथि और एडमिट कार्ड आईडी जैसी डिटेल्स दर्ज करनी होगी.

सीबीएसई की कक्षा १०वीं, १२वीं की बोर्ड परीक्षा १४ फरवरी से शुरू हुई थी. इस साल कक्षा १० की परीक्षा २१ मार्च को खत्म हुई थी. जबकि १२वीं क्लास की परीक्षा ५ अप्रैल तक चली थी. आंकडों की बात करें तो इस वर्ष १०वीं और १२वीं के कुल करीब ३९ लाख (३८,८३,७१०) एलिजिबल छात्र थे, जिसमे १०वीं के २१ लाख से ज़्यादा (२१,८६,९४०) और १२वीं के करीब १७ लाख (१६,९६,७७०) छात्र बोर्ड परीक्षा में बैठने के योग्य थे.

कब जारी होंगे नतीजे ?

नतीजों के लिए डेट और टाइम की घोषणा फिलहाल उइड्ए की तरफ आधिकारिक वेबसाइट पर नहीं की गई है. लेकिन उइड्ए के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों में नतीजे जारी हो जाएंगे. सीबीएसई की ओर से परीक्षा के नतीजे जारी करने को लेकर तारीखें अपनी आधिकारिक वेबसाइट, ट्विटर हैंडल व अन्य सोशल मीडिया एकाउंट्स के जरिए दी जाएगी.

छात्र अपना रिजल्ट सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट results.cbse.nic.in और cbseresuts.nic.in पर देख सकते हैं साथ ही सीबीएसई के नतीजे डिजिलॉकर पर भी उपलब्ध रहेंगे. छात्रों को नतीजे जानने के लिए रोल नंबर, स्कूल नंबर, डेट ऑफ बर्थ और एडमिट कार्ड आईडी की जरूरत पडेग़ी. रिजल्ट से जुडी अपडेट के लिए छात्र-छात्राएं एबीपी लाइव से जुड़े रहे हैं. इसके अलावा अन्य किसी अधिक जानकारी के लिए छात्र आधिकारिक साइट की मदद ले सकते हैं.

लू से 'महाराष्ट्र भूषण' समारोह में १२ लोगों की मौत

मुंबई : मुंबई से सटे रायगढ. जिले के खारघर इलाके में आयोजित 'महाराष्ट्र भूषण' पुरस्कार समारोह के दौरान १६ अप्रैल को तेज धूप की चपेट में आने से १२ लोगों की मौत हो गई और कुछ अभी भी अस्पताल में हैं. इस तरह के आयोजन या समारोह में किस तरह के लोग जाते हैं, आबादी का कौन सा वर्ग ले जाया जाता है, वह देखना चाहिए. आप पाएंगे कि हमारे समाज का जो सबसे वंचित तबका है, वह इस तरह के समारोहों में जाता है. या तो इनको ले जाया जाता है, या इनसे वादे किए जाते हैं, या फिर पैसे पर या खाने-पीने पर ले जाए जाते हैं. ये हमारा मूल देश है. हमें समझना चाहिए कि किस तरह की आबादी के बीच में हमारी सत्ता जिंदा है. रैलियों में जानेवाली भीड. हो या मंदिरों की कतारों में, चुनावी जनसभाओं में जाने वाली जनता हो या बाकी इस तरह के किसी भी जलसे में जानेवाली भीड, उसकी प्रकृति को हमें समझना चाहिए.

आप बताइए कि जितने लोग मरे हैं, उनके परिजनों को पांच लाख देने की घोषणा हुई है. अब ये सोचिए कि अगर जो संख्या बताई जा रही है, यानी १२ मृतकों की, अगर उससे १०० गुणा या १००० गुणा बडी संख्या हो, तो आप क्या करेंगे? ये हमारे यहां का कल्चर बन गया है कि जो सबसे पहली प्रतिक्रिया होती है, इस तरह के हादसों में वह संवेदना की नहीं, जांच की नहीं होती, पश्चात्ताप की नहीं होती, उनको दंडित करने की नहीं होती, मुआवजे की होती है. हमारा जो पूरा सिस्टम है, वह मुआवजे पर चल रही है. यह वही संस्कृति है कि ८० करोड. लोगों को रोजगार न दो, अनाज दे दो.

इस तरह के आयोजनों में लोग आते हैं, मरते हैं. स्कूलों में बच्चियां खडी रहती हैं धूप में, मुख्य अतिथि के इंतजार में. वह आखिर गश खाकर गिर जाती हैं. लोग घंटों इंतजार करते हैं. हमारी पूरी व्यवस्था का दम घुट रहा है, उसमें खुली हवा नहीं है, ये उसका एक नमूना है. आप पचासों घटनाएं पाएंगे जिसमें भगदड. से, दम घुटने से या ऐसी ही किसी वजह से कई दर्जन लोग मारे जाते हैं. मंदिरों में लोग मारे जाते हैं, रैलियों में लोग मरते हैं. इन सभी में आखिर होता क्या है? एक मुआवजे की घोषणा होती है और उसके बाद वह पूरा मामला बंद हो जाता है.

आप देखिए, अभी चुनावी मौसम है. सभी तरह के चुनाव होने हैं, तो यह और बढेगा. कर्नाटक के बाद मध्यप्रदेश में चुनाव हैं. छत्तीसगढ, राजस्थान ये सभी इस तरह के इलाके हैं, जहां हीट वेव चलेगी. वहां लोगों को इसी तरह से लाया जाएगा. वे घंटों बैठेंगे और धूप में रहेंगे और फिर मौतें होंगीं.

इंतजाम के बाद भी ऐसा हुआ तो और शोचनीय है

हम केवल ये जानना चाहते हैं कि इतनी व्यवस्था के बावजूद इतने लोग क्यों मर गए? या तो इनके मरने का एक कारण एक ये हो सकता है कि ये इतने कुपोषित थे कि सारी व्यवस्था और इलाज के बावजूद मर गए. हमारी जो पॉपुलेशन इस तरह की है, जो गरीब है, कुपोषित है, अभाव में जी रही है. इस तरह के पॉपुलेशन को आप चाहे किसी भी तरह के जलसे या समारोह में ले जा सकते हैं. इनकी कोई वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं है.

२० साल पहले की अक्षय तृतीया से लेकर अब तक सोने की कीमतों में आई १००० फीसदी का उछाल!

मुंबई : शनिवार २२ अप्रैल २०२३ को अक्षय तृतीया का पावन त्योहार है. अक्षय तृतीया पर सोने में निवेश को काफी शुभ माना जाता है. हर किसी की कोशिश होती है कि वो अक्षय तृतीया पर अपने बजट के मुताबिक सोना खरीदे. बीते कुछ महीनों में सोने पर किए गए निवेश ने अपने निवेशकों ने जबरदस्त रिटर्न दिया है. पर क्या आप जानते हैं २० साल पहले २००३ में जिन लोगों ने अक्षय तृतीया के दिन सोने की खरीदारी की होगी तो उनके का वैल्यू बढ़क़र १० गुना हो चुका है.

२००३ में अक्षय तृतीया का त्योहार ४ मई २००३ को था और उस दिन सोना ५६५६ रुपये रुपये प्रति १० ग्राम में मिल रहा था. २०२३ में अक्षय तृतीया ता त्योहार के ठीक पहले ६०,५६० रुपये प्रति १० ग्राम पर ट्रेड कर रहा है. यानि २० सालों में सोने के दामों में ५४,९०० रुपये प्रति १० ग्राम का उछाल आ चुका है. यानि २० सालों में सोने के भाव में १००० फीसदी का उछाल आ चुका है. यानि २० साल पहले अगर आपने अक्षय तृतीया पर एक लाख का सोना खरीदा होता तो उसका वैल्यू बढ़क़र १० लाख रुपये के करीब हो गया होता.

चांदी भी २० वर्ष में ९०० फीसदी महंगा

केवल सोना ही नहीं चांदी का भाव में भी २० साल में ९०० फीसदी का उछाल आया है. ४ मई २००३ को चांदी ७५५० रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रहा था जो अब ७६,२०० रुपये प्रति किलो में मिल रहा है. यानि २० वर्ष में चांदी की कीमतों में ६८,६५० रुपये प्रति किलो की बढोती आई है. अगर प्रतिशत के लिहाज से देखें तो इन २० सालों में चांदी की कीमतों में ९०० फीसदी से ज्यादा का उछाल आ चुका है.

एक साल में १९.२० फीसदी बढे. दाम

२०२२ में अक्षय तृतीया पर सोना ५०८०८ रुपये प्रति १० ग्राम पर कारोबार कर रहा था. यानि केवल पिछले साल के अक्षय तृतीया से लेकर अब तक सोने के दामों में १९.२० फीसदी या ९७६० रुपये प्रति १० ग्राम की की बढोतरी आ चुकी है. जानकारों का मानना है कि सोने की कीमतों में जारी तेजी अभी थमने वाली नहीं है. आने वाले दिनों में सोने की कीमतें ६५००० रुपये १० ग्राम के लेवल के भी छू सकती है.

जल जीवन मिशन की महत्वपूर्ण उपलब्धि

(पृष्ठ ३ से)

मिलता है कि अकेले २०२२-२३ में १.६४ करोड़ से अधिक जल नमूनों का परीक्षण किया गया है जो वर्ष २०१८-१९ (५० लाख) में परीक्षण किए गए नमूनों की संख्या की तुलना में तीन गुना से भी अधिक है। इन प्रयासों से देश में जल जनित रोगों के मामलों में महत्वपूर्ण कमी होने की संभावना है।

सटीक दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, जल जीवन मिशन को विकेंद्रीकृत, मांग जनित समुदाय-प्रबंधित कार्यक्रम के रूप में लागू किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के तहत ५.२४ लाख से अधिक पानी समितियां/ग्रामीण जल एवं स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) का गठन किया गया हैं और ५.१२ लाख से अधिक ग्राम कार्य योजना तैयार की गई है ताकि गांव में जल आपूर्ति बुनियादी ढांचे का प्रबंधन, संचालन और रखरखाव किया जा सके।

लोगों, विशेष रूप से महिलाओं और ग्रामीण समुदायों के एक साथ मिलकर सक्रिय भागीदारी से जल जीवन मिशन वास्तव में एक 'जन आंदोलन' बन गया है। दीर्घकालिक पेयजल सुरक्षा के लिए स्थानीय समुदाय और ग्राम पंचायतें आगे आ रही हैं और ग्रामीण जल आपूर्ति प्रणालियों, अपने जल संसाधनों और ग्रे वाटर के प्रबंधन संबंधी जिम्मेदारियां ले रही हैं।

वीडब्ल्यूएससी के गठन, सामुदायिक एकजुटता, ग्रामीण कार्य योजना तैयार करने में सहायता प्रदान करने और बुनियादी ढांचे के निर्माण के बाद की गतिविधियों को पूरा करने के लिए राज्य/केंद्रशासित प्रदेश कार्यान्वयन सहायता एजेंसियों (आईएसए) को नियुक्त करके पंचायतों को सहायता प्रदान कर रहे हैं। इस कार्य में १४ हजार से अधिक आईएसए लगे हुए हैं, जो सक्रिय रूप से फील्ड में काम कर रहे हैं।

क्षमता निर्माण और विभिन्न हितधारकों को पुनः सक्रिय करने के लिए ९९ प्रतिष्ठित सरकारी और गैर-सरकारी शैक्षणिक संस्थानों/एजेंसियों/फर्मों/संगठनों/थिंक टैंकों/प्रशिक्षण संस्थानों आदि को प्रमुख संसाधन केंद्र (केआरसी) के रूप में नियुक्त किया गया है। जल जीवन मिशन के तहत सूचीबद्ध प्रमुख संसाधन केंद्रों के माध्यम से १८,००० से अधिक लोगों की क्षमता का निर्माण किया गया है।

इसके अलावा, प्रयासों को पूरा करने और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की मदद के लिए पेयजल और स्वच्छता विभाग ने ग्रामीण वॉश पार्टनर्स फोरम (आरडब्ल्यूपीएफ) को औपचारिक रूप प्रदान किया है। इसमें वॉश सेक्टर में शामिल क्षेत्र भागीदारों के साथ विकास भागीदार एक सहयोगी के रूप में काम करने के लिए आगे आए हैं। जल जीवन मिशन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सहयोगात्मक से मिलकर काम कर रहे हैं।

लंबी अवधि में ग्रामीण परिवारों में लिए निरंतर सेवा आपूर्ति हेतु भूजल और झरने के जल स्रोतों की स्थिरता बहुत महत्वपूर्ण है। इस संदर्भ में है, पेयजल की स्रोत स्थिरता (जेएसए-२०२३-एसएसडीडब्ल्यू) को जल शक्ति अभियान २०२३ के केंद्रीय विषय के रूप में रखा गया है। इससे पेयजल के स्रोतों विशेष रूप से भूजल संसाधनों और झरनों की स्थिति सुधारने के लिए जल संरक्षण पर आवश्यक ध्यान दिया जाएगा।

जल जीवन मिशन कई तरह से समाज को प्रभावित कर रहा है। नियमित रूप से नल के पानी की आपूर्ति से महिलाओं और युवा लड़कियों को अपनी दैनिक घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में पानी ढोने की मेहनत से राहत मिल रही है। दूसरी तरफ, महिलाएं पानी इकट्ठा करने से बचाए गए समय का उपयोग आय सृजन गतिविधियों के लिए, नए कौशल सीखने और अपने बच्चों की शिक्षा में सहायता के लिए कर सकती हैं। पानी इकट्ठा करने में अपनी मां की मदद करने के लिए किशोरियों को अब स्कूल नहीं छोड़ना पड़ेगा।

नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. माइकल क्रेमर और उनकी टीम द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि अगर परिवारों को पीने के लिए सुरक्षित पानी उपलब्ध कराया जाए तो लगभग ३० प्रतिशत शिशुओं की मृत्यु को रोका जा सकता है। खासकर नवजात बच्चों में डायरिया एक बहुत ही आम बीमारी है। नवजात शिशु पानी से होने वाली बीमारियों के प्रति कई अधिक संवेदनशील होते हैं। इस अध्ययन से यह भी पता चला है कि प्रत्येक चार मौतों में से एक (१.३६ लाख प्रति वर्ष पांच मौतों के तहत) ५ वर्ष से कम उम्र के बच्चों से संबंधित है जिसे भारत में सुरक्षित पानी के प्रावधान से रोका जा सकता है।

जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोजगार के अवसर भी पैदा कर रहा है। आईआईएम बेंगलुरु द्वारा किए गए एक प्रारंभिक सर्वेक्षण से यह पता चला है कि जल जीवन मिशन के लागू होने की पांच साल की अवधि के दौरान लगभग १,४७,५५,९८० व्यक्ति प्रति वर्ष रोजगार सृजित किया जा सकता है। इस मिशन के निर्माण चरण में पूरे वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष औसत रूप से २९,५१,१९६ लोगों को रोजगार मिलता है। इस मिशन से पाइप जलापूर्ति योजनाओं के संचालन और रखरखाव के लिए हर साल लगभग १०.९२ लाख लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

नागपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के समय इंडिगो की फ्लाइट जमीन से टकराई

टला बड़ा हादसा! सभी यात्री सुरक्षित

मुंबई. नागपुर में एक बड़ा हादसा होते-होते टला है. दरअसल मुंबई से आ रही इंडिगो की फ्लाइट ६ए-२०३ का पिछला हिस्सा नागपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान जमीन से टकरा गया. यह घटना १४ अप्रैल को उस समय हुई जब फ्लाइट ६ए-२०३ मुंबई से नागपुर आ रही थी. इंडिगो ने एक बयान में कहा, १४ अप्रैल २०२३ को मुंबई से फ्लाइट ६ए-२०३ नागपुर में लैंड करते समय पीछे से टकरा गई थी.

न्यूज एजेंसी के अनुसार इंडिगो ने अपने बयान में बताया कि फ्लाइट को मूल्यांकन और मरम्मत के लिए नागपुर हवाई अड्डे पर ग्राउंडेड किया गया. घटना की विस्तार से जांच की जा रही है. एयरलाइंस ने कहा कि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है. बता दें कि टेल स्ट्राइक तब होता है जब टेक-ऑफ या लैंडिंग के दौरान किसी फ्लाइट का टेल या एम्पेनज जमीन या किसी अन्य स्थिर वस्तु से टकराता है.

इससे पहले १५ अप्रैल को पश्चिम बंगाल के बागडोगरा जा रहा इंडिगो का एक विमान तकनीकी खराबी के चलते दिल्ली लौट आया था. एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट की आपात लैंडिंग की गई. बाद में इंडिगो ने कहा कि दिल्ली से बागडोगरा जाने वाली फ्लाइट ६ए-६२८२ एहतियात के तौर पर दिल्ली लौट आई. इंडिगो ने एक बयान में कहा, पायलट ने एक तकनीकी समस्या देखी और वापस लौटने का अनुरोध किया. फ्लाइट सुरक्षित रूप से उतरा और आवश्यक निरीक्षण किया जा रहा है. यात्रियों को बागडोगरा ले जाने के लिए एक वैकल्पिक फ्लाइट उपलब्ध कराया गया था.

ओडिशा में रेल का शतप्रतिशत विद्युतीकरण पूरा किया गया

नई दिल्ली : वर्ष २०३० तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जक अर्जित करने का लक्ष्य निर्धारित करने की तर्ज पर, भारतीय रेल ने ओडिशा के विद्यमान बड़ी लाइन नेटवर्क के १०० प्रतिशत विद्युतीकरण को पूरा कर लिया है।

ओडिशा का विद्यमान बड़ी लाइन नेटवर्क २,८२२ रूट किलोमीटर है जो अब १०० प्रतिशत विद्युतीकृत है और इसकी वजह से लाइन खींचने की (हाउल) लागत में (लगभग २.५ गुना कमी) गिरावट आएगी, हाउलेज क्षमता भारी होगी, सेक्शनल क्षमता में बढोतरी होगी, इलेक्ट्रिक लोको के प्रचालन और रखरखाव की लागत कम हो जाएगी, आयातित कच्चे तेल पर कम निर्भरता के साथ परिवहन के ऊर्जा सक्षम और पर्यावरण अनुकूल साधन का निर्माण होगा और विदेशी मुद्रा की बचत होगी। इसके अतिरिक्त, रेलवे की १०० प्रतिशत विद्युतीकृत नेटवर्क की नीति की तर्ज पर विद्युतीकरण के साथ साथ बड़ी लाइन के नए नेटवर्क को भी मंजूरी दी जाएगी।

ओडिशा राज्य का भूभाग पूर्वी तट, दक्षिणी पूर्वी एवं दक्षिणी पूर्वी मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में पडता है। ओडिशा के कुछ मुख्य रेलवे स्टेशन हैं : भुवनेश्वर, कटक, पुरी, संबलपुर, भद्रक, राउरकेला तथा झारसुगुडा।

रेल नेटवर्क ओडिशा से देश के दूसरे हिस्सों में खनिज अवयवों, कृषि उत्पादों एवं अन्य वस्तुओं के परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ओडिशा में पहली रेलवे लाइन १८९७ में कटक-खुरदा रोड-पुरी के बीच बनाई गई थी। ओडिशा राज्य की कुछ प्रतिष्ठित रेलगाड़ियां हैं : हावड़ा-पुरी एक्सप्रेस, कोणार्क एक्सप्रेस, कोरोमंडल एक्सप्रेस, हीराकुंड एक्सप्रेस, विशाखा एक्सप्रेस और भुवनेश्वर - नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस। ये रेलगाड़ियां राज्य के विभिन्न हिस्सों और भारत के अन्य प्रमुख शहरों के लिए सुविधाजनक कनेक्टविटी प्रदान करती हैं।

तिरुवनंतपुरम् : केरल के त्रावणकोर देवास्वोम बोर्ड के स्वामित्व वाले एक हाथी त्रिक्कादावूर शिवराजू को मंगलवार, १८ अप्रैल, २०२३ को तिरुवनंतपुरम में एक समारोह के दौरान गजराज की उपाधि से सम्मानित किया गया।

साहिबगंज में हनुमान जी की प्रतिमा को किया गया क्षतिग्रस्त

पुलिस का लाठीचार्ज

साहिबगंज : झारखंड के साहेबगंज में फिर एक बार तनाव बढ़ गया। आज सुबह सोमवार के दिन पटेल चौक और पुराना सदर अस्पताल के बीच बरगद पेड़ के नीचे स्थापित बजरंगबली की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने का जब स्थानीय जनता को समाचार मिला तो इलाके में फिर से एक बार तनाव बढ़ गया है। उस स्थान पर सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा जुटान लगने लगा और सभी नागरिकों द्वारा प्रतिमा खंडित होने के बाद सख्त कार्रवाई की मांग कर सड़क जाम कर दिया।

प्रतिमा के सर पर वॉर किया गया है, कई जगहों से प्रतिमा को खंडित करने की कोशिश की गयी। मंदिर में लगे ध्वज को फेंक दिया गया था। इन सब चीजों को देखते हुए स्थानीय नागरिक के साथ-साथ सामाजिक संगठनों में गुस्से से लाल होने लगे। इसी दरमियान विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के लोग भी वहां पहुंच गए और धरना प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से मांग करने लगे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की।

घटनास्थल पर पहुंचे थाना प्रभारी धर्मपाल ने लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। इस जगह पर विरोध कर रहे लोगों ने आंदोलन तेज कर दिया और सड़क जाम कर दिया है। बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के करण यादव के नेतृत्व में छक्क० पर समर्थक बैठ गये हैं। पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास क्या पर मामला हाथ से निकलता देख पुलिस ने आंदोलनरत नागरिकों एवं युवाओं पर लाठीचार्ज कर दिया। जिससे वहां भगदड़ मच गई। जल्दी स्थिति पर प्रशासन द्वारा काबू कर लिया गया। इन परिस्थितियों को देखते हुएकई निजी स्कूलों ने अपने स्कूल बंद रखने का आदेश जारी कर दिया है।

विदित हो साहिबगंज में शनिवार रात दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा के बाद पूरे इलाके में तनाव की स्थिति पहले से थी। इसके बाद बजरंगबलि की प्रतिमा का खंडित होना आग में घी का काम कर रहा है। शनिवार रात को हुई हिंसा के बाद आरोपियों की पहचान कर ली गयी है। इस मामले में कुलीपाड़ा और दहला दोनों मोहल्ले के कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और इन्हें आरोपी बनाया गया है। विसर्जन जुलूस के लिए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सह गंगा पंप नहर के कनीय अभियंता संजीव कुमार साह के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। शनिवार को हुई हिंसा में आरोपियों की पहचान कर ली गयी है। जुलूस के दौरान ड्रोन कैमरा का इस्तेमाल किया गया था जिससे आरोपियों की पहचान की गयी है। साथ ही कई मोबाइल फुजेट भी मौजूद हैं जो आरोपियों के आरोप को पूरी तरह साबित करते हैं। इस पूरे मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की गयी है। बरहरवा एसडीपीओ प्रदीप उरांव उसके प्रमुख बनाए गये हैं।

तीन दिवसीय चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल २३ जून से

अंजू सिन्हा/संवाददाता

बोकारो : चित्रपट झारखंड के द्वारा आगामी २३, २४ एवं २५ जून को चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। संभावना है कि इस समारोह में राज्यभर से लगभग सौ से भी अधिक फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा देना है। झारखंड में बन रही फिल्मों एवं निर्माताओं को यहां की ऐतिहासिक एवं पौराणिक संस्कृति को पूरे विश्व के पटल पर प्रदर्शित करने के लिए एक साझा प्लेटफार्म तैयार किया जा सके इसके लिए झारखंड चित्रपट इस दिशा में काम कर रहा है। फिल्म विधा के माध्यम से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक परंपराओं को सामाजिक आधार बनाकर देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक सद्भाव के समरसता को प्रस्तुत करना ही एकमात्र उद्देश्य है इस प्लेटफार्म का।

दिनांक ३ अप्रैल, दिन सोमवार को इस विषय से संबंधित पोस्टर विमोचन सह चित्रपट लोकार्पण के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन बोकारो का सेक्टर चार स्थित क्लासिक होटल में चित्रपट झारखंड के द्वारा किया गया। फिल्म फेस्टिवल में जो भी फिल्म निर्माता भाग लेंगे उन्हें झारखंड राज्य से संबंधित होना

चाहिए। जो भी फिल्म निर्माता अपनी फिल्म को फिल्म फेस्टिवल में भेजना चाहते हैं उन्हें चित्रपट झारखंड की वेबसाइट पर अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। फिल्म गूगल ड्राइव लिंक या पेनड्राइव के माध्यम से ही भेजी जा सकती है।

फिल्म जमा करने की अंतिम तिथि १५ मई की मध्यरात्रि रखी गई है। जिसमें फिल्म का विषय जनजातीय समाज, वोकल फॉर लोकल, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, रोजगार सृजन, झारखंड स्वतंत्रता संग्राम, झारखंड का इतिहास, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सद्भाव, भविष्य का भारत, निश्चित की गई है।

मौके पर चित्रपट झारखंड के अध्यक्ष नन्द कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड की भाषा, संस्कृति और कला को फिल्मों के माध्यम से आगे बढ़ाने और मनोरंजन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए चित्रपट झारखंड का गठन किया गया है। आगे बताया कि साढ़े तीन करोड़ की आबादी वाले राज्य में मनोरंजन उद्योग की उपस्थिति नगण्य है। फिल्म उद्योग को बढ़ावा देने के लिए हम लगातार कार्यशाला के साथ-साथ प्रत्येक जिला में जाकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जन जन तक आवाज पहुंचाने के लिए प्रत्येक जिला में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पत्रकारों के माध्यम से आवाज को जन-जन तक पहुंचाने की प्रयास किया जा रहा है ताकि

कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा झारखंड के वैसे लोग जो अनाम है उन्हें यह चित्रपट झारखंड नाम दे सके।

मई में नई दिल्ली में होगा टूरिज्म इन्वेस्टर्स समिट

नई दिल्ली : पर्यटन मंत्रालय ने पहले ग्लोबल टूरिज्म इन्वेस्टर्स समिट की तैयारी के तौर पर नई दिल्ली में मिशन प्रमुखों के साथ गोलमेज वार्ता का आयोजन किया।

भारत की जी२० की अध्यक्षता के तहत एक पहल के रूप में, भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय १७ से १९ मई, २०२३ तक नई दिल्ली में देश का पहला वैश्विक पर्यटन निवेशक शिखर सम्मेलन (जीटीआईएस) आयोजित करेगा।

पर्यटन, संस्कृति और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने मिशन प्रमुखों के साथ गोलमेज वार्ता की अध्यक्षता की। श्री रेड्डी ने विज्ञान भवन में मिशन प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा प्रधानमंत्री के विजन के मार्गदर्शन में पर्यटन विकास और संवर्धन मिशन मोड में किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश का वर्तमान निवेश परिदृश्य इसे हॉस्पिटैलिटी एंड लॉजिंग, वेलनेस टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, इको-टूरिज्म, रूरल टूरिज्म आदि जैसे भारतीय पर्यटन उद्योग के विभिन्न उप-क्षेत्रों में निवेश के लिए एक उपयुक्त गंतव्य बनाता है। श्री रेड्डी ने सभी भागीदार मिशनों को गोलमेज बातचीत में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें आगामी निवेशक शिखर सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लेने और पर्यटन क्षेत्र में भारत के विकास और उन्नयन का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया।

पर्यटन मंत्रालय के सचिव श्री अरविंद सिंह ने कहा कि निवेशकों को निवेश के अवसर दिखाने के लिए अब तक २५ राज्यों ने पर्यटन मंत्रालय के साथ ३५० से अधिक निवेश योग्य परियोजनाओं को साझा किया है, जिनकी कुल निवेश क्षमता लगभग ६४,००० करोड़ रुपये (यूएसडी ७.७ बिलियन) है। उन्होंने कहा कि वैश्विक पर्यटन निवेशक शिखर सम्मेलन में स्थिरता, डिजिटलीकरण, प्रौद्योगिकी, अंतर्दृष्टि, राज्य-विशिष्ट के मुद्दों और पर्यटन के अन्य उप-क्षेत्रों जैसे विषयों पर केंद्रित कई ज्ञान सत्र भी होंगे। ये सत्र बिजनेस-टू-बिजनेस (बी२बी) और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (बी२जी) संपर्क की सुविधा प्रदान करेंगे।

पर्यटन और आतिथ्य पर सीआईआई राष्ट्रीय समिति के सदस्य श्री के. बी. काचरू ने कहा कि वैश्विक पर्यटन निवेशक शिखर सम्मेलन भारत के बाहर संचालित सभी पर्यटन और आतिथ्य उद्योगों के लिए आने, विशाल भारतीय बाजार का साक्षी बनने और निवेश के उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए सही मंच है।

आज की गोलमेज वार्ता में कुल ४२ विदेशी मिशनों ने भाग लिया। जी-२० अध्यक्षता भारत के पर्यटन क्षेत्र को भारत की पर्यटन सुविधाओं को सामने रखने और भारत की पर्यटन सफलता की कहानियों को वैश्विक मंच पर साझा करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगी। बेहतर बुनियादी ढांचे, वैश्विक कनेक्टिविटी, उच्च डिस्पोजेबल आय और विदेशी निवेशकों के लिए अवसर खोलने वाले विशिष्ट पर्यटन उत्पादों के विकास के कारण भारत का पर्यटन बाजार विकास के पथ पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

वैश्विक स्टार्ट-अप केंद्र बनने में युवाओं का योगदान

नई दिल्ली : केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग व आयुष मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में असम के डिब्रूगढ़ में सोनोवाल कचहरी युवा महोत्सव और सांस्कृतिक महोत्सव- २०२३ के अधीन आयोजित उद्दीपन पुरस्कार समारोह में हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्री ने सोनोवाल कचहरी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के उत्सव और इसे व्यापक पैमाने पर दर्शकों के साथ साझा करने की बात की। उन्होंने युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए एक मंच प्रदान करने और साल २०४७ तक भारत को एक आत्मनिर्भर देश बनाने की दिशा में अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू करने में युवाओं की सहायता करने को लेकर इस आयोजन के प्रयास की सराहना की।

इस अवसर पर श्री सोनोवाल ने कहा, हम सभी वैश्विक स्टार्ट-अप केंद्र के रूप में भारत की सफलता के पीछे भारत के युवाओं की अटूट प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत को मानते हैं। जैसा कि भारत ने अमृत काल की अपनी शुभ यात्रा शुरू की है, यह नई प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का क्षण है। असम व भारत की युवा पीढ़ी को एक भव्य इतिहास और एक शानदार भविष्य के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में काम करना चाहिए। सफल होने की क्षमता आपके भीतर है, उस क्षमता के लिए काम करें। आपको यह विश्वास होना चाहिए कि आप कुछ भी प्राप्त कर सकते हैं। यह आत्म-आश्वासन व असंभव को संभव में बदलने की क्षमता देश के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है और यह देखकर प्रसन्नता होती है कि भारत के युवा इसे अच्छी तरह समझते हैं।

ईआईएसीपी ने मिशन लाइफ संदेश लोगों तक पहुंचाया

नई दिल्ली : दिल्ली, उत्तराखंड और पंजाब में पर्यावरण सूचना, जागरूकता, क्षमता निर्माण और आजीविका कार्यक्रम, कार्यक्रम केंद्रों और संसाधन भागीदारों (ईआईएसीपी पीसी-आरपी) द्वारा २०-२४ मार्च २०२३ तक मिशन लाइफ को बढ़ावा देने वाला एक पांच दिवसीय जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया मिशन लाइफ दरअसल पर्यावरण के प्रति जागरूक जीवन जीने पर केंद्रित है। ये चीजों के अपव्यय वाले उपभोग के बजाय सुलझे हुए और जागरूक उपयोग को बढ़ावा देता है। इस पहल का उद्देश्य ऐसे लोगों का एक वैश्विक नेटवर्क बनाना है जिन्हें प्रो-प्लैनेट पीपल (पी३) कहा जाता है जो पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

तकरीबन ५९,५०० लोगों (यूट्यूब पर २००० लाइव प्रतिभागियों सहित) ने ईआईएसीपी द्वारा आयोजित मिशन लाइफ और इसके विषयों पर आधारित जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया। ये जागरूकता गतिविधियां हरिद्वार, ऋषिकेश और देहरादून में आयोजित की गईं जिनका लक्ष्य स्थानीय समुदाय और छात्र थे। इस कार्यक्रम ने लोगों को प्रेरित किया कि वे इको-फ्रेंडली जीवन शैली अपनाएं और पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यक्तियों का एक ऐसा वैश्विक नेटवर्क बनाएं जो दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए प्रतिबद्ध हों।

हरिद्वार में इस अभियान को ' हर की पौड़ी', अपर और लोअर मार्केट और कोतवाली चौक पर चलाया गया। दून यूनिवर्सिटी, श्री देव भूमि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, किंग्स्टन इंपीरियल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय और पतंजलि यूनिवर्सिटी में मार्च पास्ट और इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में विभिन्न समुदायों, छात्रों और संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

परमार्थ निकेतन में प्रतिभागियों को शाम की गंगा आरती के दौरान मिशन लाइफ के महत्व के बारे में बताया गया, जहां स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती ने पर्यावरण के अनुकूल जीवन के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ईआईएसीपी पीसी-आरपी के समन्वयक डॉ. जी अरींद्रन; डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ईआईएसीपी पीसी-आरपी के एसपीओ श्री राजीव कुमार; जेएनयू ईआईएसीपी पीसी-आरपी की एसपीओ सुश्री स्वाति सिंह; और यूकेपीसीबी ईआईएसीपी पीसी-आरपी की आईओ सुश्री निहारिका डिमरी को स्वामी चिदानंद सरस्वतीजी ने रुद्राक्ष के पौधे से सम्मानित किया।

कई ईआईएसीपी पीसी-आरपी और केंद्रों द्वारा ये जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

एपीडा ने लंदन में फूड एंड ड्रिंक प्रदर्शनी में भाग लिया

नई दिल्ली : भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने लंदन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय फूड एंड ड्रिंक प्रदर्शनी (आईएफई) में भाग लिया। २२ मार्च, २०२३ को संपन्न इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी का लक्ष्य लंदन के अंतरराष्ट्रीय बाजार में कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना था।

एपीडा ने भारतीय निर्यातकों की सहभागिता को सुगम बनाया है जिन्होंने आईएफई समारोह में सभी वर्गों में खाद्य उत्पादों के अपने विविध रेंज को प्रदर्शित किया। बड़ी संख्या में आगंतुकों ने एपीडा पैवेलियन में प्रदर्शित लगभग ५० मोटे अनाजों (श्री अन्न) पर आधारित उत्पादों के प्रति गहरी दिलचस्पी दिखाई। आईएफई समारोह में, एपीडा ने जीआई टैग वाले अल्फांसो आम, रसीले अंगूर के बागों में बनी वाईन और मोटे अनाज आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों की सबसे उत्कृष्ट गुणवत्ता को प्रदर्शित और वितरित किया है।

भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष २०२३ मनाये जाने के साथ एपीडा सक्रिय रूप से विदेशी गंतव्यों में प्रचार कार्यक्रमों का आयोजन करने और वैश्विक खाद्य प्रदर्शनियों में भाग लेने के द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पोषक अनाज (श्री अन्न) को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

आईएफई में भारत की सहभागिता पर टिप्पणी करते हुए, एपीडा के अध्यक्ष डॉ. एम अंगमुथु ने कहा, '' इस विशाल बाजार को क्वारांटाइन में रियायत देने, आयात लाभों और बाजार को ज्यादा खोलने के जरिये और अधिक व्यावहारिक बनाया जा सकता है। '' उन्होंने यह भी कहा कि आधार कार्य जारी है जहां हम भारत-ब्रिटेन एफटीए वार्ता की उम्मीद कर रहे हैं जो न केवल बड़ी मात्रा में भारतीय उत्पादों के लिए पथ प्रशस्त करेगा बल्कि आने वाले दिनों में भारतीय उत्पादों की लागत को अपेक्षाकृत कम करेगा। '' उन्होंने यह भी कहा कि लंदन में भारतीय उच्चायोग बहुत सहायक रहा है और दोनों देशों के बीच व्यापार रिश्तों को बेहतर बनाने की दिशा में काम रहा है।

अंतरराष्ट्रीय फूड एंड ड्रिंक प्रदर्शनी (आईएफई) ब्रिटेन के सबसे प्रतिष्ठित खाद्य सामग्री प्रचार कार्यक्रमों में से एक है। इस कार्यक्रम में, विश्व भर के २५,००० से अधिक सहभागी नए उत्पादों का नमूना लेने और अंतरराष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठकों के साथ साथ बी२बी बैठकों के माध्यम से भी नए निर्यात अवसरों का पता लगाने के लिए आमने सामने होने के लिए एकजुट हुए हैं। आईएफई ब्रिटेन में ब्रांड जागरुकता पैदा करने और नए व्यवसाय अवसरों को सृजित करने के लिए सबसे अच्छी तरह से स्थापित मंचों में से एक है जो ताजे फलों और सब्जियों, प्रसंस्कृत खाद्य और भारतीय चावल आदि

सहित पारंपरिक भारतीय खाद्य उत्पादों के लिए एक बड़ा बाजार है।

एपीडा ब्रिटेन सहित विश्व के लगभग २५० देशों में गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादों का निर्यात कर रहा है। वित्त वर्ष २०२१-२२ में, भारत ने एपीडा उत्पादों के २५ बिलियन डॉलर का विशाल निर्यात लक्ष्य अर्जित किया है जिसने पिछले सभी रिकॉर्डों को पार कर लिया है। एपीडा वित्त वर्ष २०२२-२३ के लिए ३० बिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत है। ब्रिटेन भारतीय कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए एक पंसदीदा गंतव्य है क्योंकि एपीडा ने वित्त वर्ष २०२१-२२ में ब्रिटेन में ४२१ मिलियन डॉलर के बराबर के विभिन्न कृषि उत्पादों का निर्यात किया है। एपीडा चालू वित्त वर्ष के दौरान ब्रिटेन को अपने पिछले निर्यात लक्ष्य को पार करने के लिए पूरी तरह तैयार है क्योंकि एपीडा ने ३०२ मिलियन डॉलर (अप्रैल-दिसंबर) के बराबर का निर्यात दर्ज किया है।

ब्रिटेन सहित विभिन्न देशों को निर्यात किए जाने वाले मुख्य कृषि उत्पादों में बासमती चावल, भैंस का मांस, गैर बासमती चावल, मोटे अनाज, मक्का, मूंगफली, गेहूं, अनाज की तैयारी, प्रसंस्कृत सब्जियां, ताजे फल और सब्जियां, मादक पेय आदि शामिल हैं। भारत ने ब्रिटेन को लगभग १३००० एमटी भारतीय अंगूर, ४००० एमटी आम, ५००० एमटी प्याज, २५०० एमटी पोषक अनाज आदि से लेकर १३१० मिलियन एमटी बासमती चावल आदि निर्यात किए हैं।

एपीडा ने हाल ही में भारत से पोषक अनाजों के निर्यात को प्रोत्साहित करने और उत्पादकों को बाजार लिंकेज प्रदान करने के लिए नई दिल्ली में वैश्विक पोषक अनाज (श्री अन्न) सम्मेलन का आयोजन किया। देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग १०० भारतीय पोषक अनाज प्रदर्शक और अमेरिका, यूएई, कुवैत, जर्मनी, वियतनाम, जापान, कीनिया, मालावी, भूटान, इटली और मलेशिया जैसे विभिन्न देशों से लगभग १०० अंतरराष्ट्रीय खरीदारों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

मोटे अनाजों पर आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों के उपभोग को बढ़ावा देने के लिए एपीडा ने हैदराबाद स्थित भारतीय मिलेट अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) तथा संबंधित राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के सहयोग से मोटा अनाज आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों का एक रेंज का विकास करने के लिए २०० से अधिक स्टार्टअप्स को विकसित किया है।

गर्मियों में रोकें मुंहासे

गर्मियों में गर्मी के कारण होने वाले मुंहासों से बचने के लिए आप इन सुझावों का पालन कर सकते हैं। जब भी आप बाहर जाएं तो अपने चेहरे को अच्छी तरह से ढकना न भूलें। वहीं, धूप से निकलने के बाद चेहरे को अच्छी तरह से साफ कर लें।

अपने चेहरे पर पसीना ना आने दें। गर्मी से प्रेरित मुँहासा ब्रेकआउट से बचें।

धूप में कम रहें: अगर आपको घमौरियों या धूप से कोई एलर्जी है, तो बाहर रहने की कोशिश करें। जरूरत पड़ने पर ही धूप में जाएं। ऐसा करने से आप हीट एक्ने से काफी हद तक बच सकते हैं।

तंग कपड़े पहनने से बचें: गर्मी के दौरान मुंहासे निकलने से रोकने के लिए तंग कपड़े पहनने से बचें। ऐसे कपड़े हीट एक्ने को बढ़ावा देते हैं। साथ ही गर्मियों में रूखी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए अपने चेहरे पर पेट्रोलियम या खाद्य तेल का इस्तेमाल न करें। इससे पिंपल्स की समस्या बढ़ सकती है। ऐसे समय में ढीले-ढाले और मौसम के अनुकूल कपड़े पहनने की कोशिश करें। इसके अलावा, गैर-कॉमेडोजेनिक उत्पादों का उपयोग करने से बचें। ये टिप्स गर्मियों में होने वाले मुंहासों को रोकने में मददगार हो सकते हैं।

नियमित रूप से चेहरा धोएं : तेज धूप में मुंहासों की समस्या को कम करने के लिए अपने चेहरे को बार-बार धोएं। दरअसल गर्मियों में पसीना बहुत आता है। ऐसे में त्वचा पर कई तरह के बैक्टीरिया और वायरस के पनपने का खतरा रहता है। इस स्थिति से बचने के लिए चेहरे की सफाई बहुत जरूरी है। इसलिए धूप से निकलने के बाद अपने चेहरे को फेसवॉश से धोएं। यह हीट एक्ने को रोकने में मदद कर सकता है।

एलर्जी की दवा लें डॉक्टर्स का कहना है कि कुछ लोगों को धूप से एलर्जी की शिकायत होती है. इस स्थिति में आपको एलर्जी की दवा लेने की जरूरत होती है। एलर्जी से बचने के लिए इस दवा को अपने डॉक्टर की सलाह के अनुसार लें, खासकर जब भी आप बाहर जाएं। इससे हीट एक्ने को काफी हद तक रोका जा सकता है।

गर्मी से रहें दूर: गर्मियों में धूप के संपर्क में आने से त्वचा पर पिंपल्स की समस्या बढ़ जाती है। इसका मुख्य कारण धूप है। ऐसे में अपनी त्वचा को धूप से बचा कर रखें। जब भी आप बाहर जाएं तो अपने चेहरे या खुली त्वचा को सूती कपड़े से ढक लें। ऐसा करने से हीट पिंपल्स की समस्या से बचा जा सकता है।

तरबूज मिल्क शेक कैसे बनाएं?

तरबूज गर्मियों का बहुत ही रसीला फल है। गर्मियों में इसका सेवन करने से आपका शरीर हाइड्रेट रहता है। आमतौर पर लोग तरबूज का सेवन सलाद या जूस के रूप में करना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी तरबूज मिल्क शेक लिया है?

अगर नहीं तो हम आपके लिए तरबूज मिल्क शेक बनाने की रेसेपी लेकर आए हैं। तरबूज खाने से आपकी पाचन क्रिया और हड्डियां मजबूत रहती हैं। इसका सेवन करने से वजन घटाने से लेकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद मिलती है। इतना ही नहीं तरबूज मिल्क शेक अस्थमा के मरीजों के लिए बहुत अच्छा होता है। तरबूज मिल्कशेक का स्वाद बहुत अच्छा होता है और इसे बनाना भी बहुत आसान है।

तरबूज मिल्कशेक बनाने की सामग्री

- तरबूज के टुकड़े १ कप
- कंडेंस्ड मिल्क १/४ कप या दूध २ कप (उबालकर ठंडा किया हुआ)
- पानी १.५ कप (गाढ़ा दूध इस्तेमाल करने के बाद ही लें)
- १/२ वेनिला अर्क (वैकल्पिक)
- पसंदीदा आइसक्रीम
- हल्के स्वाद वाले बर्फ के टुकड़े
- स्वाद के लिए चीनी
- तरबूज मिल्क शेक कैसे बनाएं?
- तरबूज मिल्क शेक बनाने के लिए सबसे पहले एक तरबूज लें। फिर इसे टुकड़ों में काट कर अलग रख दें।
- इसके बाद कंडेंस्ड मिल्क और तरबूज के टुकड़ों को ठंडा होने के लिए रख दें।
- फिर एक मिक्सर जार में तरबूज के ठंडे किए हुए टुकड़े, कंडेंस्ड मिल्क, पानी और वैनिला एक्सट्रेक्ट (वैकल्पिक) डालें।
- इसके बाद इन सभी चीजों को अच्छे से पीसकर शेक तैयार कर लें।
- अब आपका स्वादिष्ट और बर्फीला ठंडा तरबूज मिल्क शेक तैयार है।
- फिर सर्विंग ग्लास में डालकर आइसक्रीम से सजाकर ठंडा ठंडा सर्व करें।

बालों का झड़ना रोकने के लिए अपनाएं ये उपाय

बालों का झड़ना दुनिया भर में एक आम समस्या है, हालाँकि हर व्यक्ति बालों के झड़ने का अनुभव अलग-अलग तरीके से करता है। बालों की उचित देखभाल न करना बालों के झड़ने का नंबर एक कारण है। लेकिन कुछ और कारण भी हैं जो इस समस्या को और भी बढ़ा देते हैं। गलत हेयर स्टाइलिंग भी उनमें से एक है।

बालों के झड़ने के कारण और उनके उपाय :-

१- प्रोटीन की कमी:-

आपके आहार में प्रोटीन की मात्रा आपके बालों की वृद्धि दर को प्रभावित कर सकती है। आपको अपने प्रोटीन का सेवन देखना चाहिए, खासकर यदि आप शाकाहारी या शाकाहारी हैं। आपको प्रति दिन शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम १ से १.६ ग्राम प्रोटीन की आवश्यकता होती है। बीन्स, फलियां, अंडे और अन्य प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ खाने से आपकी दैनिक प्रोटीन की जरूरतों को पूरा करने के कुछ तरीके हैं। आप प्रोटीन शेक भी पी सकते हैं।

२- तनाव और मानसिक थकान :-

बाहरी कारकों के अलावा, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक कारकों सहित कई आंतरिक कारक बालों के झड़ने का कारण बन सकते हैं। एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाकर, जिसमें संतुलित आहार खाना, नियमित व्यायाम करना और तनाव के स्तर को नियंत्रित करना शामिल है, आप अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं। आप अपने तनाव को कम करने के लिए मेडिटेशन भी कर सकते हैं।

३- खराब हेयरस्टाइल:-

आजकल नए-नए हेयर स्टाइल अपनाना एक ट्रेंड बन गया है। नया हेयरस्टाइल भी आपको नया लुक देता है। लेकिन कई बार कोई नया हेयरस्टाइल आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकता है। जितना आप अपने लुक्स का ख्याल रखती हैं, उतना ही आपको अपने बालों की सेहत का भी ख्याल रखना होगा।

४- बालों में तेल न लगाना :-

सिर में नियमित रक्त संचार बढ़ाने के लिए सिर की मालिश करनी चाहिए। जो बालों के झड़ने में मदद कर सकता है। यह न केवल बालों के विकास को बढ़ावा देता है बल्कि उन्हें स्वस्थ भी रखता है और तनाव को कम करता है।

किशमिश का पानी पीने से होते हैं कई फायदे!

मीठे किशमिश का स्वाद किसे पसंद नहीं होता? हम अक्सर इसे सीधे ही खा लेते हैं। मिठाइयों से लेकर पुडिंग्स तक किशमिश का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। आपने अक्सर इन सूखे मेवों के तमाम फायदों के बारे में सुना होगा, लेकिन क्या आपने कभी प्रून जूस पिया है?

अगर आप इसके फायदों के बारे में नहीं जानते हैं तो आप हैरान रह जाएंगे।

किशमिश खाने के फायदे

किशमिश में पोषक तत्वों की कमी नहीं होती है, ये आयरन, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन बी६, विटामिन ई, कैल्शियम, पोटैशियम और कॉपर से भरपूर होते हैं। कई आहार विशेषज्ञ इसे भिगोकर खाने की सलाह देते हैं, यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छा आहार माना जाता है, साथ ही यह वजन घटाने में भी सहायक होता है।

बेर का पानी पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। आजकल वायरल बीमारियों का प्रकोप बहुत अधिक है, इसलिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना बहुत जरूरी है। किशमिश का पानी हमें वायरल इंफेक्शन से बचाता है, जिससे बीमार होने की संभावना काफी कम हो जाती है।

अगर शरीर में जहरीले तत्व हद से ज्यादा जमा हो जाएं तो कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जो लोग नियमित रूप से मनुका पानी पीते हैं उनके शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। यह लिवर को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है।

किशमिश का पानी कैसे तैयार करें?

मनुका पानी तैयार करने के लिए एक पैन में एक गिलास पानी उबालें। - अब इसमें किशमिश डालकर रातभर के लिए भिगो कर रख दें। सुबह उठकर पानी को छान लें और खाली पेट पिएं।

काले घेरों का उपाय क्या है?

आंखें इंसान की पहचान होती हैं। इसलिए हर कोई आकर्षक आंखें पाना चाहता है। लेकिन कई लोगों को आंखों के नीचे काले घेरे की समस्या होती है, जो आपकी आंखों की खूबसूरती पर भारी पड़ जाता है।

आज हम आपके लिए बादाम के तेल का आई मास्क लेकर आए हैं। बादाम के तेल का आई मास्क आजमाकर आप आंखों के नीचे के काले घेरों से छुटकारा पा सकते हैं। इसके अलावा आप सूजी हुई और थकी आंखों की समस्या को भी दूर कर सकते हैं।

बादाम के तेल का आई मास्क बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका।

बादाम तेल का मास्क बनाने सामग्री

- बादाम का तेल १ छोटा चम्मच
- नींबू का रस १/२ छोटा चम्मच
- बादाम के तेल का आई मास्क कैसे बनाएं?
- बादाम के तेल का आई मास्क तैयार करने के लिए सबसे पहले एक छोटी कटोरी लें।
- फिर इसमें एक चम्मच बादाम का तेल और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाएं।
- इसके बाद इन दोनों को अच्छी तरह मिलाकर एक चिकना मिश्रण बना लें।
- अब आपका बादाम तेल का आई मास्क तैयार है।
- बादाम के तेल का आई मास्क कैसे इस्तेमाल करें?
- बादाम का तेल आई मास्क लगाने से पहले अपना चेहरा साफ करें।
- इसके बाद तैयार मिश्रण को आंखों के नीचे अच्छी तरह लगाएं।
- इसके बाद इसे कुछ देर के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद अपने चेहरे को कॉटन पैड या सादे पानी से धो लें।
- बेहतर परिणाम के लिए आपको इस आई मास्क को हफ्ते में २ बार आजमाना चाहिए।

शक्तिशाली है यह लघु मंत्र

सनातन धर्म में ओम को बहुत शक्तिशाली माना गया है। ॐ का उच्चारण करते समय तीन अक्षर -+ण+च् का प्रयोग होता है। कहा जाता है कि इन अक्षरों में त्रिदेवों यानी ब्रह्मा, विष्णु, महेश का वास होता है। अगर आप सरल और सहज तरीके से भक्ति करना चाहते हैं तो यह ॐ बहुत ही चमत्कारी है। इस मंत्र के जाप से कई संतों और संतों ने महान सिद्धियों को प्राप्त किया है। अध्यात्म के साथ-साथ यह मंत्र स्वास्थ्य के लिए भी बहुत चमत्कारी है। धर्म के साथ-साथ विज्ञान ने भी इसे चमत्कारी माना है।

- ॐ का जाप स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह मंत्र कई मानसिक और शारीरिक व्याधियों को दूर करता है।
- थायराइड की समस्या को दूर करने में ॐ मंत्र का बहुत बड़ा योगदान है। ॐ का जाप करने से गले में कंपन होता है जिससे थायराइड की समस्या दूर होती है।
- ॐ मंत्र को ब्रह्मांड का रूप माना गया है और उसमें निवास करता है। इसके लिए ॐ का जाप करने से हर तरह का भय दूर हो जाता है।
- ॐ का जाप रक्तचाप को सामान्य करता है और हृदयाघात से बचाता है।
- ॐ का जाप करने से पेट में कंपन होता है और पाचन क्रिया मजबूत होती है।
- ॐ के जाप से फेफड़ों को अधिक ऑक्सीजन मिलती है और शक्ति बढ़ती है।
- ॐ का जाप करने से थकान दूर होती है और व्यक्ति तरोताजा महसूस करता है।

कच्चे केले खाने के फायदे

कच्चा केला वजन कम करे - वजन कम के लिए डॉक्टर्स रोजाना एक कच्चा केला खाने की सलाह देते हैं। केले में मौजूद फाइबर शरीर से अनावश्यक फैट सेल्स को दूर करने में मदद करते हैं।

कब्ज का उपाय - कच्चे केले में मौजूद फाइबर और स्टार्च कब्ज की समस्या से निजात दिलाता है।

भूख को नियंत्रित करता है - कच्चे केले में मौजूद फाइबर अन्य पोषक गुणों के साथ भूख को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। कच्चे केले खाने से भूख नियंत्रित रहती है। जंक फूड से बचा जा सकता है।

डायबिटीज कंट्रोल - अगर आपकी डायबिटीज शुरुआती स्टेज में है तो कच्चे केले खाना शुरू कर दें। कच्चा केला मधुमेह को नियंत्रित करने में मदद करता है।

बेहतर पाचन- कच्चे केले खाने से पाचन क्रिया बेहतर होती है। कच्चा केला कैंसर के खतरे को भी कम करता है। इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाता है।

चाय या कॉफी पीने से पहले पानी पीना चाहिए?

हमारे देश में चाय और कॉफी पीने का चलन है। इस तरह दिन की शुरुआत होती है। इससे फायदा भी होता है और नुकसान भी। अक्सर लोग चाय या कॉफी पीने से पहले पानी पीते हैं। चाय या कॉफी पीने से पहले पानी पीने से क्या होता है?

शरीर को हाइड्रेट करने के लिए पिएं पानी चाय या कॉफी पीने से पहले आधा गिलास पानी पिएं१ खाली पेट चाय या कॉफी पीने से शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है। इससे कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी पिएं। साथ ही शरीर में पोषक तत्व भी बरकरार रहते हैं। खाली पेट चाय या कॉफी पीने से एसिडिटी बढ़ती है। एसिडिटी यानी एसिड बढ़ जाता है। लेकिन चाय या कॉफी पीने से पहले पानी पीने से एसिडिटी नहीं होती है। बढ़ी हुई एसिडिटी से राहत दिलाता है।

चाय और कॉफी में टैनिन नामक रसायन होता है, जो सांसों की बदबू के लिए जिम्मेदार होता है। दांतों पर प्लाक जमा हो जाता है। चाय पीने से १५ मिनट पहले एक गिलास पानी पीते हैं, तो यह दांतों की सुरक्षा और मल त्याग को आसान बनाने के लिए अच्छा होता है।

गर्मियों में खाएं मौसंबी और रहें स्वस्थ

प्रचंड गर्मी के कारण शरीर भी लही हो रहा है.. जीवन वांछनीय नहीं है.. फिर, हमारे कदम आसानी से ओस में बदल जाते हैं। हालांकि, ठंडे खाद्य पदार्थों से बीमार होने का खतरा होता है। इसलिए गर्मियों में कुछ रसदार मैंगोस्टीन खाएं और स्वस्थ रहें क्योंकि मैंगोस्टीन एक बहुत ही पौष्टिक फल है।

मौसंबी का जूस शरीर को ठंडक पहुंचाता है। मोसमबिट में विटामिन ए, बी, सी पाया जाता है। मौसम्बी खासकर बच्चों के लिए फायदेमंद होती है।

मौसम्बी का सौंदर्यीकरण हो रहा है। मौसंबी पौष्टिक, मधुर, रुचिकर, सुपाच्य, पाचक, दीप्तिकारक, हृदयवर्धक, धातुशोधक तथा रक्तशोधक है।

मोसंबी के छिलके से एक सुगंधित तेल प्राप्त होता है। ठंडे पेय जैसे सिरप तैयार करने के लिए। मौसंबी का रस कमजोर, बीमार, वृद्ध और बच्चों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होता है क्योंकि यह उत्तेजक होता है। मौसंबी के जूस का इस्तेमाल खाने में सुगंध और स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है।

चेहरे के कील-मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए मौसम्बी की ताजी छाल उपयोगी है। मोसंबा की छाल भी सांस लेने योग्य होती है।

तनाव के कारण सिर में भारीपन ऐसे करें दूर

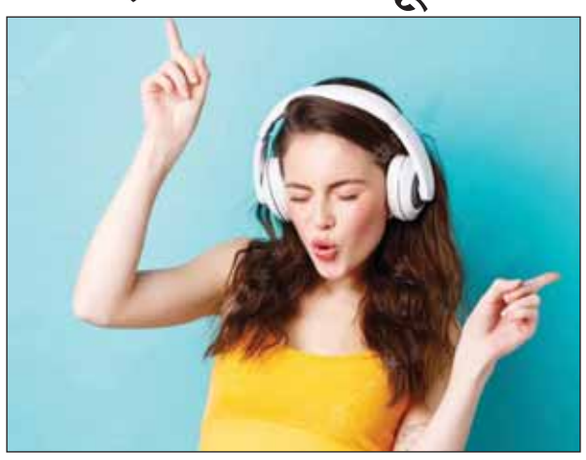

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जिम्मेदारियों का बोझ इतना बढ़ गया है कि लोग अक्सर तनाव और तनाव का सामना करते हैं। इससे कई बार नींद नहीं आती और तबीयत खराब होने लगती है। तनाव से वजन बढ़ना, हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए तनाव दूर करने के उपाय करने में ही भलाई है।

तनाव दूर करने के उपाय

व्यस्त रहें : जब आप अत्यधिक तनाव का सामना कर रहे हों, तो खरीदारी, क्रिकेट खेलना, फिल्में देखना, अपने पसंदीदा भोजन खाने जैसी चीजें करें जो आपको सबसे ज्यादा पसंद हैं। ऐसा करने से आपको खुशी मिलेगी और तनाव दूर होगा।

आस-पास के लोगों से मिलें : जब आप बहुत परेशान हों तो खुद को कभी अकेला न छोड़ें, इससे घुटन बढ़ जाएगी, ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपने करीबी परिजनों से बात करें या दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाएं।

योग और ध्यान करें : योग और ध्यान पुराने लेकिन प्रभावी उपाय हैं जिनका उपयोग तनाव दूर करने के लिए किया जा सकता है। आपको इन कार्यों के लिए थोड़ा समय देना चाहिए और विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए।

संगीत सुनें : जब आप उदास महसूस करें तो इस समस्या को दूर करने के लिए अपना पसंदीदा संगीत या गाना सुनें, इससे तनावपूर्ण माहौल दूर होगा और आप तनावमुक्त महसूस करेंगे।

विशेष नोट : **यहां दी गई जानकारी सामान्य जानकारी पर आधारित है। कृपया इसे लागू करने से पहले विशेषज्ञ से परामर्श लें।**

आईपीएल २०२३

हैदराबाद : रविवार, २ अप्रैल, २०२३ को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम उप्पल, हैदराबाद में राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल २०२३ क्रिकेट मैच शुरू होने से पहले खिलाड़ियों ने पूर्व स्टेडियम में उपस्थित प्रेक्षक तथा क्रिकेट प्लेअर्स ने क्रिकेटर सलीम दुर्रानी को कुछ देर स्तब्ध रहकर अंतिम सम्मान दिया।

क्या आईपीएल २०२३ के बाद मैदान पर नहीं दिखेंगे माही?

नई दिल्ली : चेन्नई सुपर किंग्स को चार बार आईपीएल की ट्रॉफी दिला चुके एमएस धोनी का इस लीग में अलग रुतबा है। साल २०२० में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके माही के मैदान पर उतरने का इंतजार हर साल फैन्स बेसब्री से करते हैं। हालांकि, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि इंडियन प्रीमियर लीग के १६वें सीजन के बाद धोनी आईपीएल को अलविदा कह सकते हैं।

धोनी ने इस सीजन खेले ४ मैचों में ५८ रन जडे. हैं, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट २१४.८१ का रहा है। राजस्थान के खिलाफ खेले गए मैच में माही ने बल्ले से जमकर तबाही मचाई थी और महज १७ गेंदों में ३२ रन कूटे थे। हालांकि, इसके बावजूद धोनी

चेन्नई को चेपॉक के मैदान पर जीत नहीं दिला सके थे।

चेन्नई सुपर किंग्स टीम के स्टार ऑलराउंडर मोईन अली ने धोनी के आईपीएल से रिटायरमेंट को लेकर बडी बात कह डाली है। मोईन ने कहा, 'मेरे हिसाब से वह अगले साल जरूर खेलेंगे। जिस तरह से वह खेल रहे हैं उसको देखकर मुझे नहीं लगता है कि धोनी की बैटिंग उन्हें खेलने से रोकेगी। यहां तक कि वह दो से तीन साल खेल सकते हैं। राजस्थान के खिलाफ जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उसको देखकर मैं बिल्कुल भी हैरान नहीं हूं। मैं उनको नेट्स में देखता रहता हूं और वह कमाल की बैटिंग कर रहे हैं।'

चेन्नई सुपर किंग्स की टीम का प्रदर्शन आईपीएल २०२३ में शानदार रहा है। सीएसके ने अब तक खेले चार मैचों में से दो में जीत दर्ज की है, जबकि इतने ही मैचों में टीम को हार झेलनी पडी है। हालांकि, राजस्थान के खिलाफ चेन्नई को लास्ट मैच में आखिरी गेंद पर ३ रनों से हार का सामना करना पडा था।

आईपीएल २०२३ का सबसे खूंखार बल्लेबाज

१०० गेंद पर बना रहा २१७ रन, जड़ चुका है ३५० से अधिक छक्के

आईपीएल २०२३ में कई देशी-विदेशी खिलाड़ी सिफ बेहतरीन प्रदर्शन ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे बड़े-बड़े शॉट भी मार रहे हैं. इसमें वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान भी शामिल हैं. वे सबसे तेजी से रन बनाने के मामले में टॉप पर काबिज हैं. टी-२० करियर की बात करें, तो इस खिलाड़ी ने ३५० से अधिक छक्के लगाए हैं. कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बैटर भी बड़े-बड़े शॉट लगाने के मामले में पीछे नहीं हैं.

आईपीएल २०२३ में देश और विदेश के दिग्गज खिलाड़ी उतर रहे हैं. टी२० लीग के १६वें सीजन की बात करें, तो अब तक २४ मुकाबले पूरे हो चुके हैं. संजू सैमसन की अगुआई वाली राजस्थान रॉयल्स ने अब तक ५ में से ४ मुकाबले जीते हैं. टीम ८ अंक के साथ प्वाइंट टेबल में टॉप पर है. केएल राहुल की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ६ अंक के साथ दूसरे और एमएस धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स की टीम ६ अंक के साथ तीसरे स्थान पर है.

केएल राहुल की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का यह दूसरा सीजन है. पिछले सीजन में टीम प्लेऑफ तक पहुंची थी. मौजूदा सीजन में टीम के धाकड़ बल्लेबाज निकोलस पूरन शानदार फॉर्म में चल रहे हैं. उन्होंने अब तक ६५ गेंद पर १४१ रन बनाए हैं. स्ट्राइक रेट २१७ का है. ९ चौका और १४ छक्का जड़ा है. उनके ओवरऑल टी२० करियर की बात करें तो वे ३५० से अधिक छक्के जड़ चुके हैं. इससे उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा लगा सकता है.

२७ साल के वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन का मौजूदा आईपीएल में ५० से अधिक गेंद से खेलने वाले बैटर में सबसे अच्छा स्ट्राइक रेट है. वे ओवरऑल टी२० के २६६ मैच में २५ की औसत से ५१७७ रन बना चुके हैं. एक शतक और २८ अर्धशतक ठोक चुके हैं. स्ट्राइक रेट १४३ का है. उन्होंने ३२९ चौके भी लगाए हैं. यानी पूरन टी२० में चौके से अधिक छक्के लगाए हैं.

निकोलस पूरन के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर स्ट्राइक रेट के मामले में दूसरे नंबर पर हैं. उन्होंने ५१ गेंद पर अब तक १०१ रन बनाए हैं. स्ट्राइक रेट १९८ का है. १२ चौका और ४ छक्का जड़ा है. ६८ रन सबसे बड़ा स्कोर है. इसके बाद आरसीबी के बैटर ग्लेन मैक्सवेल का नंबर पर है. उन्होंने अब तक ८९ गेंद का सामना किया है. १९८ के स्ट्राइक रेट से १७६ रन बनाए हैं. ७ चौका और १९ छक्का लगाया है. ७६ रन सबसे बड़ा स्कोर है.

वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के सीनियर बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को लंबे समय बाद मौका मिला और उन्होंने इसका भरपूर फायदा भी उठाया है. उन्होंने अब तक ६१ गेंद पर १२९ रन बनाए हैं. स्ट्राइक रेट १९५ का है. १२ और ६ छक्के जड़े हैं. वहीं राजस्थान रॉयल्स खेल रहे शिमरोन हेटमायर ९९ गेंद पर १८५ स्ट्राइक रेट १८३ रन बनाए हैं. ७ चौका और १५ छक्का जड़ा है.

आईपीएल २०२३ में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले बैटर्स की बात करें तो ग्लेन मैक्सवेल नंबर-१ पर हैं. उन्होंने १९ छक्के लगाए हैं. इसके अलावा आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने १८, शिमरोन हेटमायर और केकेआर के वेंकेटशेय अय्यर ने १५-१५ तो सीएसके के ऋतुराज गायकवाड़ व निकोसल पूरन ने १४-१४ छक्के लगाए हैं.

अश्विन और सैमसन ने लिए हेटमायर के मज़े

आईपीएल में रविवार (१६ अप्रैल) रात को हुए मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स को जीत की मंजिल तक पहुंचाने वाले शिमरोन हेटमायर फिलहाल सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं.

क्रिकेट फ्लो उनकी पारी को लेकर लगातार रिएक्शन दे ही रहे हैं, साथ ही राजस्थान फेंचाइजी भी अपने इस खिलाड़ी के बैक टू बैक वीडियो पोस्ट कर रही है. इनमें उनके द्वारा नरेंद्र मोदी स्टेडियम में राजस्थान को मैच जिताने से लेकर बाद में साथी खिलाड़ियों के साथ हुई मस्ती के कई वीडियो शामिल हैं. यहां एक वीडियो में आर अश्विन और संजू सैमसन अपने इस मैच जिताऊ खिलाड़ी के मज़े लेते हुए भी नजर आ रहे हैं. इस में आर अश्विन अपनी टीम के कप्तान संजू सैमसन के साथ एक सेल्फी लेते हुए दिखा.

वेदांत ने एक साथ ५ गोल्ड मेडल जीता

सूर्या, अनुष्का सहित कई सेलेब्स ने दी बधाई

नई दिल्ली : एक्टर आर माधवन के बेटे वेदांत माधवन ने फिर से देश का नाम रोशन किया है। वेदांत ने मलेशिया इनविटेशनल एज ग्रुप स्विमिंग चैंपियनशिप में पांच गोल्ड मेडल जीते हैं। वेदांत के इस कारनामे से उनके पिता आर माधवन काफी खुश नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए वेदांत को शुभकामनाएं दी है।

वेदांत के गोल्ड जीतने पर कई सेलिब्रिटीज ने आर माधवन के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है। साउथ स्टार सूर्या ने उन्हें बधाई दी है। इसके अलावा अनुष्का शर्मा, शिल्पा शिरोडकर और लारा दत्ता इन सभी ने वेदांत के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

वेदांत माधवन ने मलेशिया इनविटेशनल एज ग्रुप स्विमिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था। इसमें उन्होंने १०० मीटर, २०० मीटर, ५०० मीटर, ४०० और १२०० मीटर वाली प्रतिस्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता है। उनकी जीत को पिता आर माधवन ने सभी के साथ शेयर किया।

मुंबई में स्विमिंग सेंटर बंद हुए तो बेटे को लेकर दुबई गए माधवन

कोविड की वजह से जब देश में सारे स्विमिंग सेंटर बंद थे, तो आर. माधवन बेटे वेदांत को लेकर दुबई चले गए थे। उस वक्त माधवन ने एक इंटरव्यू में कहा था, 'मुंबई में बड़े स्विमिंग पूल या तो कोविड की वजह से बंद हैं, या वहां सुविधाएं नहीं हैं। इस वजह से हम वेदांत के साथ दुबई में हैं, जहां वो बड़े पूल में ट्रेनिंग लेता है। वो ओलंपिक के सपने को सच करने में जुटा है। उसकी इस कोशिश में सरिता और मैं हमेशा उसके साथ हैं।

खुद की अलग पहचान बनाना चाहते हैं वेदांत

वेदांत ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वो अपने मां-बाप के बहुत शुक्रगुजार हैं क्योंकि उन लोगों ने उन्हें हर मोमेंट पर सपोर्ट किया। वेदांत ने कहा, 'मैं अपने पापा की शैडो में नहीं रहना चाहता था। मैं खुद से अपना नाम बनाना और कमाना चाहता था। मैं सिफ आर माधवन का बेटा नहीं बनना चाहता। मेरे पेरेंट्स ने मेरे लिए काफी एफर्ट्स लगाए हैं। उन्होंने मेरे लिए बहुत ज्यादा त्याग किए हैं, दुबई में शिफ्ट होना उनमें से एक है।'

अभी २ महीने पहले भोपाल में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स- २०२३ में वेदांत ने सात मेडल्स जीते थे। वेदांत ने इस प्रतिस्पर्धा में ५ गोल्ड और २ सिल्वर मेडल जीता था। इसके अलावा पिछले साल अक्टूबर में हुए नेशनल चैंपियनशिप में महाराष्ट्र के लिए टोटल ७ मेडल अपने नाम किया था।

सूर्यकुमार यादव सहित इन खिलाडियों पर लगा भारी भरकम जुर्माना

नई दिल्ली : मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच आईपीएल २०२३ का २२वां मुकाबला विवादों से भरा रहा। इस मुकाबले में केकेआर के कप्तान नितीश राणा और ऋतिक शौकीन के बीच जबर्दस्त विवाद हुआ। वहीं वानखेडे. स्टेडियम पर मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव पर भी १२ लाख रुपये का जुर्माना लगा।

आईपीएल ने रविवार को मीडिया विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया, 'धीमी ओवर गति के अपराध के संबंध में मुंबई इंडियंस का आईपीएल आचार संहिंता का यह पहला अपराध रहा तो कप्तान सूर्यकुमार यादव पर १२ लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।'

कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान नितीश राणा पर आईपीएल आचार संहिंता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का २५ प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। नितीश राणा ने आईपीएल आचार संहिंता के आर्टिकल २.२१ के अंतर्गत लेवल १ अपराध स्वीकार कर लिया है।

मुंबई इंडियंस के गेंदबाज ऋतिक शौकीन पर आईपीएल आचार संहिंता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का १० प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। शौकीन ने आईपीएल आचार संहिंता के आर्टिकल २.२५ के अंतर्गत लेवल १ अपराध स्वीकार कर लिया है। बता दें कि आईपीएल आचार संहिंता के लेवल १ उल्लंघन में मैच रेफरी का फैसला निर्णायक माना जाता है।

गौरतलब है कि ऋतिक शौकीन की गेंद पर नितीश राणा कैच आउट हो गए। आउट होने के बाद नितीश राणा और ऋतिक शौकीन के बीच बहसबाजी हो गई। शौकीन ने राणा को आउट करने के बाद उनसे कुछ कहा। केकेआर के कप्तान इससे भडक़ गए और उन्होंने भी वापस लौटते हुए गेंदबाज से कुछ कहा।

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग के लिए तैयार

९० मीटर की दूरी और स्वर्ण पदक है लक्ष्य

नई दिल्ली : टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा पिछले वर्ष इस समय तक पूरी तरह फिट नहीं थे। जिसके चलते वह दोहा डायमंड लीग में शिरकत नहीं कर पाए, लेकिन नीरज इस वर्ष न सिफ पूरी तरह फिट हैं बल्कि दोहा डायमंड लीग से ही सत्र की शुरुआत करने जा रहे हैं। नीरज ने रविवार को कहा कि इस वर्ष उनका लक्ष्य अपने को पूरी तरह फिट रखते हुए विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण जीतना है। वह कोशिश करेंगे कि इस बार ९० मीटर की दूरी को लेकर चर्चाओं को बंद कर दें। हालांकि वह इस बारे में अपने ऊपर कोई ज्यादा दबाव नहीं ले रहे हैं।

पिछली बार नहीं मिला तैयारियों का ज्यादा समय

नीरज कहते हैं कि अगर पिछले वर्ष से तुलना करें तो वह इस साल

ज्यादा अच्छी तरह तैयार हैं। पिछले वर्ष उन्होंने जून में फिनलैंड में हुए पावो नूरमी गेम्स से सत्र शुरू किया। फिटनेस, शक्ति और तकनीकि तीनों रूप से वह पिछले वर्ष इस दौरान तैयार नहीं थे। तैयारियों का भी ज्यादा समय नहीं मिला, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। वह न सिफ पूरी तरह फिट हैं बल्कि समय से सत्र की शुरुआत करने जा रहे हैं। यही कारण है कि वह ५ मई को होने वाली दोहा डायमंड लीग में खेलेंगे, जहां ट्रिपल जंपर एल्डोस पॉल भी उनके साथ भाग लेंगे।

ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरीना, अंताल्या (तुर्किये) में तैयारियां कर रहे नीरज कहते हैं कि वह विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण जीतना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए कोई दबाव नहीं है, चाहें वह यह स्वर्ण इस बारे जीतें या बाद में जीतें। यह सत्र उनके लिए लंबा है, इस लिए वह अपने को इस बार तकनीकि रूप से दक्ष करना चाहते हैं।

पेरिस ओलंपिक पर नीरज का कहना है कि उन पर यहां स्वर्ण जीतने का दबाव होगा, इस लिए टोक्यो के मुकाबले उन्हें यहां के लिए ज्यादा तैयार रहना होगा। हालांकि टोक्यो का स्वर्ण पदक उन्हें पेरिस में अच्छा करने की प्रेरणा देगा। नीरज डायमंड लीग के विजेता हैं। इससे पहले उन्होंने दोहा डायमंड लीग में २०१८ में भाग लिया था, जहां वह ८७.४३ मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। नीरज कहते हैं कि पिछले वर्ष उन्होंने विश्व चैंपियनशिप के अनुभव से फ्लिया है कि अगर उन्हें हल्की चोट लगी है तो वह पांचवीं और छठी थ्रो के लिए प्रयास नहीं करेंगे। विश्व चैंपियनशिप में उन्हें चौथी थ्रो में चोट लगी थी, लेकिन उन्होंने बाद में जांघ पर पट्टी बंधवाकर थ्रो की और चोट गहरा गई, जिससे वह राष्ट्रमंडल खेल में अपने स्वर्ण की रक्षा करने नहीं उतर पाए।

अगले साल फरवरी में आयोजित हो सकता है डब्ल्यूपीएल

होम-एंड-अवे फॉर्मेट में खेला जाएगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (इउउख) के एक सूत्र ने शुक्रवार को बताया कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का अगला सीजन होम-एंड-अवे फॉर्मेट में खेला जाएगा। टूर्नामेंट को बडा बनाने के लिए संभावना है कि फरवरी में इसका आयोजन किया जाएगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन सीजन मुंबई में दो स्थानों पर ४ से २६ मार्च तक आयोजित किया गया था, जिसमें मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी ने पहला खिताब जीता।

इस महीने की शुरुआत में आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल ने पीटीआई को बताया था कि डब्ल्यूपीएल अगले तीन सत्रों के लिए पांच टीमों का टूर्नामेंट रहेगा और इसका आयोजन होम-एंड-अवे फॉर्मेट में किया जाएगा। अध्यक्ष का माना है कि इससे प्रशंसक की संख्या को बढाने में मदद मिलेगी। साथ ही होम ग्राउंड पर टीम को सपोर्ट कर पाएंगे।

हालांकि, बीसीसीआई सूत्र ने कहा कि लीग को इंदौर जैसे टियर-२ शहरों में ले जाना कठिन होगा, जहां उसके नाम पर डब्ल्यूपीएल फ्रेंचाइजी नहीं है। सूत्र ने कहा कि चल रही चर्चाओं में दीवाली के आसपास डब्ल्यूपीएल को बाद के वर्ष में स्थगित करना भी शामिल है, लेकिन कुछ भी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

गौतलब हो पहले सीजन में पांच टीमों ने हिस्सा लिया। इनमें गुजरात जायंट्स, यूपी वॉरियर्स, रॉयल चैंलेजर बैंगलोर, दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस की टीम शामिल है। फाइनल मैच में मुंबई ने दिल्ली को हराकर थ्रझङ का पहला खिताब अपने नाम किया। मुंबई इंडियंस ने भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना कप्तान नियुक्त किया है।

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने शुभचिंतकों और समर्थकों से किया 'अनुरोध'

लखनऊ : भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के तौर पर आरोपों से घिरे भारतीय जनता पार्टी के सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सोशल मीडिया पर अपने शुभचिंतकों और समर्थकों से गैरवाजिब टिप्पणियों से दूर रहने का 'अनुरोध' किया है. सिंह ने अपने हैंडल से किए गए सिलसिलेवार ट्वीट में कहा 'अनुरोध, सोशल मीडिया पर कुछ आपत्तिजनक स्लोगन, ग्राफ़िक्स, हैशटैग की जानकारी मिली है. ऐसा कुछ भी जिससे किसी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन, सम्प्रदाय या जाति-धर्म की गरिमा को नुकसान पहुंचे, उसके प्रति मेरी असहमति है.'

उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा 'और मैं ऐसे पोस्ट और ट्रेंड्स का खंडन करता हूं. मैं दल से बड़ा नहीं हूं, मेरा समर्पण मेरी निष्ठा प्रामाणिक है. मेरे शुभचिन्तक और समर्थक कृपया ऐसे पोस्ट से दूर रहें, लाइक तो क्या कुछ कमेंट भी न करें.'

गौरतलब है कि ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया समेत बड़ी संख्या में कुश्ती खिलाड़ियों ने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण समेत विभिन्न आरोप लगाते हुए पिछले दिनों दिल्ली में धरना प्रदर्शन किया था.

मामला बढ़ने पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और प्रदर्शन कर रहे पहलवानों की बीच बैठक हुई जिसमें सिंह पर लगे आरोपों की जांच होने तक उन्हें पद से हटने को कहा गया.

बृजभूषण शरण सिंह ने अपने ऊपर लगाए गए तमाम आरोपों को गलत करार दिया है. वह शनिवार को पूरे प्रकरण पर संवाददाता सम्मेलन करने वाले थे लेकिन उन्होंने उसे रद्द कर दिया था. वहीं भारतीय ओलंपिक संघ ने यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए सात सदस्यीय समिति गठित की है.

इस बीच, भारतीय कुश्ती महासंघ की रविवार को अयोध्या में होने वाली सामान्य सभा की वार्षिक बैठक (एजीएम) को रद्द कर दिया गया. सूत्रों ने रविवार को यहां बताया कि यह बैठक सुबह १० बजे अयोध्या में होनी थी, लेकिन उच्च स्तर से प्राप्त निर्देशों के क्रम में इसे अपरिहार्य कारणों से रद्द कर दिया गया है. जांच पूरी होने तक कोई बैठक नहीं की जाएगी और न ही अध्यक्ष की तरफ से कोई आधिकारिक वक्तव्य जारी किया जाएगा. इसके अलावा, गोंडा में शनिवार से शुरू हुई कुश्ती के नेशनल चैंपियनशिप को भी रद्द कर दिया गया है.

उल्लेखनीय है कि बृज भूषण सिंह की ओर से शुक्रवार को कहा गया था कि २२ जनवरी को महासंघ की वार्षिक आम सभा (एजीएम) के बाद वह अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों पर अपना पक्ष जारी करेंगे.

स्वत्वाधिकार लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड हेतु, **प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक : स्वप्नील शंभरकर** द्वारा अरुणोदय प्रेस, कॉटन मार्केट, नागपूर - 440018 से मुद्रित कर, लोकमिरर पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड C/o कौशल्याबाई वानखेडे, प्लॉट नं. 177, A/G योगी अरविन्द नगर, कामठी रोड, नागपूर - ४४००२६ से प्रकाशित। **संपादक : स्वप्नील शंभरकर,** संपर्क - 09545924968, *पी आर बी कानून के तहत सम्पूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार। RNI Reg. No.-MHHIN/2017/74134